RNI NO. RAJHIN/2013/57419

राजस्थान का सर्वाधिक ई-पेपर दैनिक

द पुलिस पोस्ट

अंदोलन नहीं अखबार

जयपुर
शनिवार
06 जुलाई, 2024

वर्ष: 10: अंक: 82

जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा से प्रसारित

दूरभाष: 01482: 433184: पृष्ठ: 08: मूल्य: 1.50 रुपए

फटाफट न्यूज

हाथरस हादसे में एक लाख का इनामी सेवादार देव प्रकाश मधुकर गिरफ्तार

द पुलिस पोस्ट

हाथरस भगदड़ मामले में पुलिसने बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को यूपी पुलिस ने मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर गिरफ्तार कर लिया। मधुकर को उत्तर प्रदेश पुलिस ने देश की राजधानी दिल्ली से गिरफ्तार किया। हाथरस भगदड़ के बाद मुख्य आरोपी मधुकर पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। आज मधुकर की हाथरस अदालत में पेशी होगी। मधुकर के वकील का दावा है कि देवप्रकाश ने सरेंडर किया है। हाथरस के एसपी का कहना है कि मधुकर की गिरफ्तारी राह चलते हुई है। जानकारी मिली है कि मधुकर ने दिल्ली के नजफगढ़-उत्तम नगर के एक अस्पताल में सरेंडर किया। यूपी पुलिस अस्पताल में पहुंची थी। इसके बाद मधुकर ने सरेंडर किया। गिरफ्तारी के बाद हाथरस पुलिस मधुकर से पूछताछ में जुटी है। हाथरस भगदड़ मामले में पुलिस ने अभी तक सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। 2 जुलाई को हाथरस के सिकंदरामऊ के ग्राम फुलरई मुगलगढ़ी में सूरज पाल उर्फ नारायण साकार हरि भोले बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 भक्तों की मौत हो गई थी। इनमें 112 महिला, 2 पुरूष, 6 बच्चे, एक बच्ची है। सभी शवों की पहचान हो गई है और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी हो गई है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा-105, 110, 126(2), 223 और 238 के अंतर्गत मामला दर्ज़ किया गया है। इससे पहले छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। कांड के मुख्य आरोपी और एक लाख के इनामी देवप्रकाश मधुकर को हाथरस पुलिस की टीम ने गिरफ्तारी कर लिया है। यह गिरफ्तारी दिल्ली में सड़क से राह चलते हुई है। अस्पताल से कोई गिरफ्तारी नहीं की गई है। बाकी तमाम जानकारी शनिवार को पूछताछ के बाद साझा की जाएगी। इस मामले को लेकर वकील एपी सिंह ने कहा कि हाथरस मामले में एफआईआर में नामित देव प्रकाश मधुकर, जिसे मुख्य आयोजक बताया गया था, ने एसआईटी, एसटीएफ और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। यह मेरा वादा था कि हम ऐसा नहीं करेंगे। किसी भी अग्रिम जमानत का उपयोग करें, कोई आवेदन दायर नहीं करेंगे और किसी भी अदालत में नहीं जाएंगे, क्योंकि हमने क्या किया है? हमने आपसे कहा था कि हम देव प्रकाश मधुकर को आत्मसमर्पण करेंगे, उन्हें पुलिस के सामने ले जाएंगे, उनसे पूछताछ करेंगे , जांच में भाग लें, और पूछताछ में भाग लें; हमने उसे एसआईटी और उत्तर प्रदेश पुलिस को सौंप दिया है। अब गहन जांच की जा सकती है... उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाना चाहिए, वह हृदय रोगी हैं और उनके साथ कुछ भी गलत नहीं होना चाहिए।

धर्म परिवर्तन सेंटर पर वीएचपी का छापा, महिलाओं ने लगाए कपड़े फाड़ने और मारपीट के आरोप

द पुलिस पोस्ट भरतपुर

राजस्थान के भरतपुर में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के कार्यकर्ताओं ने एक घर में कथित धर्म परिवर्तन का मामला पकड़ने का दावा किया है। यह घटना मथुरा गेट थाना क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की है। वीएचपी कार्यकर्ताओं और कथित रूप से धर्म परिवर्तन में शामिल लोगों के बीच झड़प भी हुई, जिसमे कुछ महिलाओं के कपड़े फट गए और कुछ लोगों को चोटें आई हैं। पुलिस ने करीब 28 लोगों को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वीएचपी का आरोप है कि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के एक मकान में ईसाई मिशनरी द्वारा धर्म परिवर्तन का केंद्र चलाया जा रहा था। वीएचपी के जिला अध्यक्ष लाखन सिंह के अनुसार, उन्हें सूचना मिली थी कि मथुरा गेट थाना क्षेत्र में फाटक नंबर 39 के पास एक मकान में लगभग 100 लोगों का धर्मांतरण कराया जा रहा है। इससे पहले भी सोनार हवेली में धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया था, जिसकी जांच के लिए स्द्धज्ञ गठित हुई थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। लाखन सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने एक कार्यकर्ता को उस मकान में भेजा तो वहां से निकली महिला ने कहा कि अंदर लाइब्रेरी चल रही है। लेकिन अंदर जाने पर पता चला कि वहां ईसाई धर्म अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया जा रहा था। वहीं, पुलिस हिरासत में लिए गए एक व्यक्ति ने वीएचपी कार्यकर्ताओं पर मारपीट का आरोप लगाया है। उसने कहा, 'हमारे साथ विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा मारपीट की गई है। हम अपने भाई के यहां आये हुए थे। विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने चर्च में घुसकर मारपीट की है। हम लोग चर्च में प्रार्थना कर रहे थे। महिलाओं के पकडे फाड़ दिए गए और उनके साथ मारपीट की गई।' फिलहाल, पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर लिए हैं और मामले की जांच कर रही है।

फर्जी डिग्रियों के मामले में एसओजी का बड़ा एक्शन

दो निजी विश्वविद्यालयों के मालिक सहित 3 गिरफ्तार

इनकी डिग्रियों से सरकारी नौकरी में लगे लोग

द पुलिस पोस्ट जयपुर

पेपर लीक मामलों की जांच कर रही एसओजी ने फर्जी डिग्रियों के मामले में भी बड़ा एक्शन लिया है। पेपर लीक से संबंधित मामलों की जांच के दौरान फर्जी डिग्रियों के कई केस पुलिस के सामने आए थे। डीआईजी परिश देशमुख के नेतृत्व में हुई जांच के बाद एसओजी की टीम ने राजस्थान के दो निजी विश्वविद्यालयों के मालिकों को गिरफ्तार किया है। चूरू जिले में स्थित ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के मालिक और संस्थापक जोगेंद्र सिंह और अलवर स्थित सनराइज यूनिवर्सिटी के मालिक/पार्टनर जितेंद्र यादव को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी जितेंद्र यादव एमके विश्वविद्यालय पाटन (गुजरात) यूनिवर्सिटी का मालिक भी है। इन दोनों के साथ एक महिला सरिता कड़वासरा को भी गिरफ्तार किया जो ओपीजेएस यूनिवर्सिटी में 7 साल तक रजिस्ट्रार और चेयरपर्सन रही है।

जानिए कैसे करते थे फर्जीवाड़ा

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की ओर से बैंक डेट में सैकड़ों की संख्या में फर्जी डिग्रियां जारी की जा चुकी हैं। मान्यता मिलने से पहले ही इन विश्वविद्यालयों की ओर से बीएड और बीपीएड की फर्जी डिग्रियां बनाकर बेच दी गई थी। फर्जी प्रवेश दिखाकर खेल प्रमाण पत्र जारी भी जारी किए जाते थे। एमएससी और एग्रीकल्चर कोर्स की मान्यता नहीं होने के बावजूद कोर्स संचालित किया जा रहा था और डिग्री जारी की जा रही थी।

एसओजी से झूठ बोलती रही सरिता कड़वासरा

एडीजी वीके सिंह का कहना है कि गिरफ्तार की गई आरोपी सरिता कड़वासरा वर्ष 2013 से 2015 तक ओपीजेएस यूनिवर्सिटी में रजिस्ट्रार रहीं। बाद में वर्ष 2015 से 2020 तक वे ओपीजेएस में चेयरपर्सन रही। सरिता के कार्यकाल में खूब फर्जी डिग्रियां बेचे जाने की शिकायतें मिली है। जांच के लिए एसओजी ने जब भी सरिता से यूनिवर्सिटी का रिकॉर्ड मांगा तो वह हर बार यही कहती थी कि वर्ष 2019 में आग लगी थी जिसमें सारा रिकॉर्ड जल गया। जबकि निदेशालय, लोकसेवा आयोग और कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से जब भी दस्तावेज सत्यापन हेतु भेजा जाता है तो उनका सत्यापन किया जाता है। फर्जीवाड़ा छिपाने के लिए वह एसओजी से हमेशा झूठ बोलती रही।

थोक में फर्जी डिग्रियां बनाकर बेची

एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि चूरू की ओपीजेएस यूनिवर्सिटी से बड़ी संख्या में फर्जी डिग्रियां बनाकर बेची हैं। पीटीआई भर्ती 2022 के दौरान 1326 आवेदकों ने ओपीजेएस यूनिवर्सिटी से बीपीएड करना बताया था जबकि ओपीजेएस यूनिवर्सिटी को खुले हुए महज पांच साल हुए हैं। एक साल में अधिकतम 100 छात्रों को बीपीएड कराए जाने की अनुमति है। 1326 आवेदकों का ओपीजेएस से बीपीएड करना बताना और केवल इसी यूनिवर्सिटी से 81 अभ्यर्थियों का चयन होना संदिग्ध है। एसओजी की टीम पीटीआई भर्ती के उन अभ्यर्थियों से पूछताछ करेगी जिन्होंने ओपीजेएस से बीपीएड की डिग्री लेना बताया है।

दो नए विश्वविद्यालयों की स्थापना करने वाले थे आरोपी

एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी हरियाणा के रहने वाले हैं। जोगेंद्र रोहतक के रामगोपाल कॉलोनी का रहने वाला है जबकि सरिता रोहतक के ओमेक्स सिटी की रहने वाली है। तीसरा आरोपी जितेंद्र यादव महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल का रहने वाला है। डीआईजी परिश देशमुख ने बताया कि ओपीजेएस विश्वविद्यालय के संस्थापक और मालिक जोगेन्द्र सिंह बारां जिले के शाहबाद में वैदिक विश्वविद्यालय स्थापित करने जा रहा है जबकि जितेन्द्र यादव बूंदी जिले के लाखेरी में जीत विश्वविद्यालय स्थापित करने जा रहा है। आरोपी जितेंद्र वर्ष 2015 से 2020 तक ओपीजेएस में रजिस्ट्रार रह चुका है। फर्जी डिग्रियों से कराए गए रुपयों से उसने चूरू जिले के रतनगढ में एक रिसोर्ट भी बनाया है।

पेपर लीक गैंग का निजी विश्वविद्यालयों से मिलीभगत

एडीजी वीके सिंह का कहना है कि पेपर लीक और डमी कैंडिडेट बैठाने वाली गैंग के सदस्य फर्जी डिग्रियां दिलाने का काम भी बड़े स्तर पर करते हैं। गैंग के सदस्यों का ओपीजेएस, सनराइज और मेवाड़ यूनिवर्सिटी प्रशासन के कुछ लोगों ने मिलीभगत होना सामने आया है। बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद सरकार ने ओपीजेएस की एडमिशन प्रक्रिया पर भी रोक लगा दी है। सिंह ने बताया कि गैंग के सदस्य पहले ही अभ्यर्थियों से फर्जी डिग्री और स्पोर्ट सर्टिफिकेट दिलाने की डील कर लेते थे। जब अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में पास हो जाता तो उसे किसी न किसी निजी विश्वविद्यालय से फर्जी डिग्री लाकर दे दी जाती थी। दर्जनों ऐसे पीटीआई हैं जो फर्जी डिग्रियां लेकर नौकरी कर रहे हैं। सभी संदिग्ध कर्मचारियों के दस्तावेजों की पूरी जांच करके सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी तरीके से एडमिशन के लिए कई राज्यों में हैं दलाल

डीआईजी परिश देशमुख का कहना है कि गिरफ्तार किया गया आरोपी जितेंद्र यादव पहले रोहतक में स्कूल चलाता था। बाद में यह ओपीजेएस यूनिवर्सिटी में काम करने लगा। यह आरोपी ओपीजेएस में रजिस्ट्रार रह चुका है। देशमुख ने बताया कि ये लोग फर्जी तरीके से एडमिशन कराते हैं। कई राज्यों में इनके दलाल हैं जो वहां के स्टूडेंट को यहां के निजी विश्वविद्यालयों की डिग्रियां दिलवाते हैं। बिहार के कई स्टूडेंट्स का नाम सामने आया है जिन्होंने ओपीजेएस से डिग्रियां ली है। अधिकतर स्टूडेंट राजस्थान आए ही नहीं और रुपए लेकर उन्हें डिग्रियां दे दी जाती थी।

बीजेपी के फायरब्रांड नेता पर 'आदिवासी' पड़ रहे भारी!

विधानसभा में 3 विधायकों से घिरे शिक्षा मंत्री

द पुलिस पोस्ट जयपुर

भारत आदिवासी पार्टी के नेताओं के डीएनए जांच वाला शिक्षा मंत्री मदन दिलावर बुरी तरह फंस चुके हैं। सड़क से लेकर सदन तक उनका भारी विरोध हो रहा है। ताजुब्ब की बात यह भी है कि बीजेपी का कोई भी नेता उनके बचाव में आगे नहीं आया। सीएम भजनलाल शर्मा और बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी का इस मामले में कोई बयान नहीं आया है। बीएपी के नेताओं ने अब सदन में भी दिलावर को घेर लिया। गुरुवार को बीएपी के तीनों विधायकों ने मदन दिलावर के बयान का जोरदार विरोध करते हुए इस्तीफे की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे दिलावर को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें। राजस्थान विधानसभा में तीन सदस्य भारत आदिवासी पार्टी से हैं। इनमें धरियावद से थावर चंद, आसपुर उमेश मीना और बागीदौरा जयकृष्ण पटेल। इन तीनों ही विधायकों ने दिलावर के माफी मांगने की मांग को लेकर सदन का बहिष्कार किया। पार्टी के तीनों विधायकों ने साफ कहा कि जब तक दिलावर आदिवासी समाज से माफी नहीं मांगते हैं। तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। विधायक जयकृष्ण पटेल ने कहा कि आदिवासी समाज दिलावर का बहिष्कार करता है। वे दिलावर जहां भी जाएंगे, आदिवासी समाज के लोग उन्हें काले झंडे दिखाकर विरोध जताते रहेंगे। आसपुर विधानसभा सीट से विधायक उमेश मीणा का कहना है कि मदन दिलावर होते कौन के आदिवासियों का धर्म बताने वाले। यह अधिकार उनको किसने दिया। मीणा ने साफ कहा कि आदिवासी ना तो हिंदू हैं और ना ही वनवासी हैं। वे इस देश के मूल मालिक हैं। आदिवासियों की परम्पराएं, रीति रिवाज और पूजा पाठ का अपना अलग तरीका है। मीणा ने कहा कि उन्हें उनकी इस पहचान पर गर्व है। ऐसी ओछी मानसिकता वाले मंत्री को तुरंत बर्खास्त करना चाहिए। विधायक थावरचंद ने कहा कि शिक्षा मंत्री आदिवासियों की शिक्षा पर तो कभी बात ही नहीं करते। आदिवासियों का अपमान करने वाले बयान देते रहते हैं। 29 मई को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से मीडियाकर्मियों ने सवाल पूछा था कि आदिवासी नेता खुद को हिंदू नहीं मानते हैं। इसका जवाब देते हुए दिलावर ने कहा कि अगर वो ऐसा कहते हैं तो डीएनए जांच करवा लेंगे। दिलावर ने कहा था कि जो पार्टी देश और समाज को तोड़ने की गतिविधियां करेंगे, उन्हें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिलावर ने यह भी कहा कि हमारे यहां कुछ लोग वंशावली देखते हैं, उनसे भी चेक करवाया जाएगा।

दिल्ली में नड्डा से मिले किरोड़ीलाल मीणा

45 साल से जिस क्षेत्र में सेवाएं दीं, वे लोग विमुख हुए, बर्दाश्त नहीं कर सकता: मीणा

द पुलिस पोस्ट जयपुर

राजस्थान के दिग्गजी बीजेपी नेता किरोड़ीलाल मीणा ने शुक्रवार को दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद उन्होंने कहा है कि मीटिंग में 'ऐसी बातें हुई हैं जिनको बता नहीं सकता'। वहीं, दिल्ली में नड्डा से मुलाकात को लेकर उन्होंने यह भी कहा है कि उन्हें न संगठन से शिकायत है न मुख्यमंत्री से, चूंकि जनता के बीच चुनाव हारने पर इस्तीफा देने की बात कही थी, इसलिए ऐसा किया है। दरअसल, राज्य सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले किरोड़ीलाल मीणा को दिल्ली तलब किया गया था। एक दिन पहले ही उन्होंने एक कार्यक्रम में अपने इस्तीफे को लेकर खुलासा किया था। डॉ. मीणा ने कहा कि वे अपना फैसला कर चुके हैं। चूंकि उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान वचन दिया था। वचन पूरा करते हुए उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। अब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने डॉ. मीणा को दिल्ली बुलाया। शुक्रवार 5 जुलाई को ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के बीच बातचीत भी हुई। डॉ. किरोड़ी ने इस मुलाकात के बाद भी कहा है कि अंतिम फैसला आलाकमान के हाथ में है। भाजपा डॉ. मीणा को मंत्री पद से जाने नहीं देना चाहती क्योंकि कुछ ही दिनों बाद राजस्थान की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। ऐसे में पार्टी उन्हें मैनेज करने की कोशिश कर रही है। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा उन चर्चित नेताओं में हैं जो जनता के मुद्दे बड़े एग्रेसिव तरीके से उठाते हैं। प्रशासन अगर काम नहीं करता है तो वे जनता को साथ लेकर सड़क पर उतर जाते हैं। डॉ. मीणा के इसी स्टाइल से सरकारें भी उनसे सतर्क रहती है। मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद बाबा के तेवर कमजोर नहीं पड़े हैं। उन्होंने साफ कहा कि वे जनहित के मुद्दे और भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन करते रहे हैं। सरकार चाहे किसी भी पार्टी की हो। वे भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन जारी रखेंगे। बाबा के इस बयान से सत्ताधारी पार्टी के वरिष्ठ नेता चिंतित हैं। आगामी कुछ दिनों में पांच सीटों पर उपचुनाव भी होने वाले हैं। बाबा अगर रूठे रहे तो नुकसान होना तय है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ मेरी जंग जारी रहेगी - डॉ. मीणा

मीडिया से बातचीत के दौरान डॉ. मीणा ने कहा कि न्याय के लिए और भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि वे पिछले 40 साल से जनता के हितों के लिए सरकारों से टकराते रहे हैं। हजारों आंदोलन किए, सैकड़ों बार जेल गए, दर्जनों मुकदमे दर्ज हुए लेकिन कभी किसी सरकार से डरा नहीं। डॉ. मीणा ने कहा कि न्याय के लिए वे हमेशा सरकारों से लड़ते रहे और जनता के लिए 10 साल आगे भी लड़ता रहूंगा।

राजस्थान में भारी बारिश, 10 जुलाई तक जयपुर सहित कई जिलों में झमाझम बरसेंगे बादल

द पुलिस पोस्ट जयपुर

राजस्थान में शुक्रवार को कई जिलों में मानसून काफी सक्रिय दिखाई दिया। मौसम विभाग का अनुमान है कि प्रदेश में 10 जुलाई तक बारिश की गतिविधियां देखने को मिल सकती है। इस दौरान शुक्रवार को दक्षिणी पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्व राजस्थान के ऊपर मानसून का व्यापक असर देखने को मिला। मौसम विभाग ने 24 घंटे के दौरान करीब दो दर्जन जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि मानसून की सक्रियता राजस्थान में 10 जनवरी तक रहेगी। इस दौरान प्रदेश में शुक्रवार को भी टोंक, सवाई माधोपुर, झुंझुनू समेत पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में बारिश का असर देखने को मिला। टोंक में कई स्थानों पर बाढ़ जैसे हालात देखने को मिले। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार परिसंचरण तंत्र दक्षिण पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आसपास के पूर्वी राजस्थान के ऊपर बना हुआ है, जो बीकानेर से सीकर होकर गुजर रहा है। इसके चलते पूर्वी राजस्थान के अधिकांश भागों में आज मानसून सक्रिय है। इसके कारण जयपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर, उदयपुर संभाग के अनेक भागों में 24 घण्टों के दौरान बारिश होने और आसपास के जिलों में कहीं-कहीं अधिक बारिश होने की संभावना है। टोंक और आसपास के जिलों में भी भारी बारिश की संभावना बताई जा रही है। इसके चलते शुक्रवार को टोंक जिले में दिनभर झमाझम बारिश का दौर जारी रहा। मौसम विभाग की ओर से जारी चेतावनी में 6 जुलाई को भी राजस्थान के कुछ भागों में बारिश की गतिविधियां जारी रहने और कई स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना बताई गई है। इसी तरह 7, 8 जुलाई को भी भारी बारिश की चेतावनी है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में भी बारिश का दौर रहेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि राजस्थान में बारिश का दौर 10 जुलाई तक जारी रहने की संभावना है। इसी तरह पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग में अगले दो-तीन दिन दोपहर बाद में गर्जन और आंधी के साथ बारिश होने का अनुमान है। वहीं जोधपुर संभाग के पूर्वी और उत्तरी भाग में भी कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना बताई गई है। राजस्थान की राजधानी सहित कई जिलों की लाइफ लाइन बीसलपुर बांध में अब पानी की तेज आवक होने लगी है। बीसलपुर बांध के कैचमेंट एरिया राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा समेत जिलों में बारिश का दौर चलने के कारण बनास नदी में पानी की आवक बढ़ी है। पिछले 24 घंटे के दौरान बांध में 41 सेंटीमीटर पानी की आवक हुई है।

विधायक भाटी ने आरसीडीएफ को कहा 'राजस्थान चोर डाकू फैडरेशन बोले ठेकेदार करोड़ों रुपए लेकर भागे, अभी तक रिकवरी नहीं

द पुलिस पोस्ट

बाड़मेर। राजस्थान विधानसनभा के बजट सत्र में दूसरे दिन गुरुवार को बाड़मेर जिले के शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के प्रतिवेदन बोलते हुए कई सवाल खड़े किए। इस दौरान भाटी ने आरसीडीएफ को राजस्थान चोर डाकू फैडरेशन तक कह डाला। विधायक भाटी ने कहा कि इसमें बड़ा खेल हो रहा है। डेयरी प्रोडेक्ट पर प्रोडक्शन डेट नहीं। मालपुरा में बटर पैकिंग मशीन खरीदने के लिए साढ़े 4 करोड़ का टेंडर भुगतान हो गया, लेकिन मशीन अभी तक नहीं आई। जयपुर डेयरी पॉर्लर पर ढाई करोड़ खर्च हुए इसकी जांच होनी चाहिए। सीकर में कभी टेंडर नहीं हुआ। भाटी ने डेयरी पर सवाल खड़े किए। भाटी ने कहा कि आरसीडीएफ के प्रतिवेदन 4 साल के एक साथ आज दिए गए है। यह सदन की अवमानना है। हर साल जो ऑडिट व प्रतिवेदन समय रहते दिए जाए तो कई सारी चीजें हो

सकती है। भाटी ने कहा कि मेरे से पहले अलग-अलग सदस्यों ने घोटालों और भ्रष्टाचार की बात की। सदस्यों ने कहा कि सीकर, टोंक झुंझुनूं के घोटालों की बात की।

'डेयरी प्रोडेक्ट पर प्रोडेक्शन डेट नहीं, केवल एक्सपायरी डेट'

विधायक भाटी ने कहा कि 2 साल पहले मालपुरा में बटर पैकिंग मशीन खरीदने के लिए साढ़े 4 करोड़ का टेंडर हुआ। सिंगल टेंडर किया गया। एक करोड़ अस्सी लाख रुपए का भुगतान भी कर दिया गया। लेकिन दुर्भाग्य है कि न तो मशीन आई और पैसा किसके खाते में गया कोई नहीं जानता है। वापस किसी ने सुध भी नहीं ली। आरसीडीएफ की बात चल रही थी कि दूध, पाउडर और लगभग 14 हजार टन घी का जो स्टॉक पड़ा है इसका क्या करेंगे। इसमें भी बहुत बड़ा खेल है। तमाम तरीके के जो प्रोडेक्ट मार्केट में आ रहे है। प्रोडेक्शन की कोई डेट नहीं लगी हुई है। एक्सपायरी डेट लिखी गई है। यह रिप्रोसेस करके मार्केट में लाए जा रहे है। बहुत बड़ा मामला है। एक तरफ शुद्ध के लिए युद्ध कर रहे हैं। दूसरी तरफ सरकारी उपक्रम ही एक्सपायरी माल मार्केट में बेचेंगे। अच्छी चीजों की आप किससे से उम्मीद नहीं कर सकते हैं।

'गांवों को मजबूत करने के लिए डवलपमेंट किया जाए'

रविंद्र सिंह भाटी ने बताया- आज के समय में खछठ मार्ग जयपुर में एक ही डेयरी का इतना बड़ा स्टॉक और शो रूम टाइप देखा है। हमारे जिले में नहीं है। पशुधन सबसे ज्यादा है, लेकिन डेयरी के मामले में बहुत पीछे है। सदर में बोल रहे थे कि डिमांड ज्यादा है। हमारे यहां पर प्रोडक्शन ज्यादा है। लेकिन यहां तक लाने वाला कोई नहीं है। ऊंटनी के दूध से कैंसर सही किया जा सकता है। थारपारकर नस्ल, सेवन घास सहित सबकुछ वहां खूब है, लेकिन उनको वहां कलेक्ट करके यहां तक कौन लेकर आए। मंत्री से मांग है कि गांवों और उसकी अर्थव्यवस्था मजबूत करने के लिए डेयरी को और मजबूत करें। हमारे सीमांत और रेगिस्तान में कलेक्शन के नए सिस्टम को डवलप करें।

ढाई करोड़ रुपए किए खर्च- इसकी भी जांच होनी चाहिए

विधायक भाटी ने जयपुर डेयरी के पॉर्लर का जिक्र करते हुए कहा कि मैंने इसके बारे में पढ़ा तो बहुत सारी चीजें निकल कर आई। अभी एक फर्म को उन्होंने लीज पर दिया। ढाई करोड़ रुपए एनरॉवेंट पर पर खर्च किए गए। वहीं एक फर्म को बिना किसी टेंडर के सीधा काम दे दिया गया। पता नहीं कैसे दिया। इसकी भी जांच होनी चाहिए।

सीकर में कभी टेंडर हुआ ही नहीं

भाटी ने कहा कि सीकर में टेंडर होने की बात कहीं गई, लेकिन सीकर में कभी टेंडर हुआ ही नहीं है। ठेकेदार करोड़ों रुपए डेयरी के लेकर भाग गए। लेकिन आज दिन तक उसकी कोई रिकवरी नहीं है। बाड़ ही अगर खेत को खाने लगे तो उसको बचाने वाला कौन होगा।

आरसीडीएफ को राजस्थान चोर डाकू फैडरेशन कहा

उन्होंने कहा- आज जयपुर डेयरी के चेयरमैन है उनका खुद का कालाडेरा में ह्यकिसान केसरीह्न नाम की एक कैटल फील्ड प्लांट संचालित है। बीते कई सालों से तमाम समितियां उनको माल बेचा जा रहा है। अगर कोई नहीं लेता तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते है। आरसीडीएफ इसका नाम राजस्थान चोर ठेकेदारों की फैडरेशन कर दिया गया है। हमारे सभी के लिए दुख की बात है। मेरी मांग है मंत्री से आप कड़े फैसले ले और संवेदनशीलता दिखाए। यह जो डेयरी है जो सीधा आम आदमी से जुड़ाव रखती है।

दर्द की दवा मांगी तो पत्नी ने जहर घोलकर पिलाया:बोली पति पसंद नहीं था, छोड़कर जाती तो जुमार्ना लगता

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा। पति ने दर्द की दवा मांगी तो पत्नी ने जहर घोलकर पिला दिया। तीन दिन तक युवक तड़पता रहा और आखिर में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पत्नी को पकड़ा तो बोली- पति मुझे पसंद नहीं था। कम पढ़ा-लिखा था और मैं बीए पास थी। मामला भीलवाड़ा के सदर इलाके के धूमडास गांव का है। थाना इंचार्ज उगमाराम ने बताया- पुलिस ने आरोपी महिला टीना गाडरी (20) पत्नी मदनलाल गाडरी को गुरुवार को गिरफ्तार किया। टीना का पीहर कोटड़ी (भीलवाड़ा) के गेगा का खेड़ा में है। पूछताछ में महिला ने बताया कि उसकी आटा-साटा में मजबूरी में शादी की गई थी। पति फैक्ट्री में मजदूर था और पसंद नहीं था। ऐसे में उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची। पति ने सिर और बदन दर्द की दवा मांगी तो जहर दे दिया। पुलिस ने बताया कि घटना एक महीने पहले 3 जून को हुई थी। युवक ने 6 जून को दम तोड़ दिया था। मृतक के भाई नारायण गाडरी ने 15 जून को भाई की पत्नी पर जहर देकर मारने के आरोप लगाए थे। पुलिस जांच कर रही थी। जब महिला से पूछताछ की तो पूरी साजिश का खुलासा हुआ। महिला 1 जून को ही पीहर से

ससुराल आई थी।

दवा की जगह पति को जहर दे दिया

नारायण ने बताया- 3 जून की रात करीब 9:30 बजे के आसपास मेरे भाई मदनलाल गाडरी (22) को उसकी पत्नी टीना उर्फ वंदना ने पानी में जहर मिलाकर पिला दिया। घर में जहर अनाज को कीड़ों से बचाने के लिए लाया गया था। मदन की तबीयत बिगड़ी तो उसे भीलवाड़ा के महात्मा गांधी हॉस्पिटल ले गए। यहां से उसे उदयपुर एमबीएस हॉस्पिटल में रेफर कर दिया गया। उदयपुर में इलाज के दौरान 6 जून को मदन की मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम में सामने आया कि मदन की मौत जहर से हुई है। उसके सुसाइड का कोई कारण नहीं था। ऐसे में सदर थाने में मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने टीना को डिटेन कर पूछताछ की। शक के आधार पर पुलिस ने टीना को डिटेन कर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस ने गुरुवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को कोर्ट में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

आटा-साटा में शादी, छोड़ देती को जुमार्ना भरना पड़ता

टीना की शादी 7 साल पहले मदन से आटा-साटा में हुई थी। मदन की बहन की शादी टीना के छोटे भाई से हुई थी। पूछताछ में टीना ने बताया- छोटे भाई का रिश्ता बनाए रखने के लिए मदन से शादी करनी पड़ी। अगर मैं घर छोड़कर जाती तो समाज भारी झगड़ा राशि (जुमार्ना) लगाता। छोटे भाई का घर भी टूटता। पूछताछ में यह भी सामने आया कि टीना किसी और से शादी करना चाहती थी। टीना और मदन को कोई संतान नहीं है। टीना ससुराल कम ही आती-जाती थी। मदन के घर में उसके माता पिता, भाई नारायण, भाभी और पत्नी टीना थी। टीना के परिवार में उसके पिता, छोटा भाई, उसकी पत्नी है। टीना की मां का काफी समय पहले निधन हो चुका है।

घर में थी नोट छापने की मशीन:लूणकरनसर में पांच-पांच सौ रुपए के नोट छाप रहा था, पुलिस ने दबोच लिया

द पुलिस पोस्ट

बीकानेर। बीकानेर के लूणकरनसर में पुलिस ने पांच-पांच सौ रुपए के नकली नोट की गड्डियां बरामद की है। ये नोट एक घर में छापे जा रहे थे। पुलिस को भनक लगी तो घर पर छापा मारकर नकली नोट बरामद कर लिए। नोट छापने की मशीन भी जब्त की गई है। थानाधिकारी गणेश कुमार ने अपने ही थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बॉर्डर युक्त कागज के 11 बंडल (110 गडियां) तथा उक्त 11 बंडलो के उपर नीचे 500-500 रुपए का एक एक नोट (कुल असल नोट 22) बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि वेद प्रकाश पुत्र मोहनलाल जाति शर्मा उम्र 28 साल निवासी वार्ड नम्बर 12 लूनकरणसर से नोट बरामद किए गए। वेद ने पुलिस को बताया कि मैने मेरे घर में एक रंगीन प्रिंटर मशीन लगा रखी है। साथ में एक कट्टर मशीन लगा रखी है जिसके सहयोग से मैने भारतीय मुद्रा की सैप के नोट के आकार की कटिंग कर उन्हे रंगीन प्रिंटर में उस कागज की जिसकी शक्ल नोट के आकार की है। उस कटिंग किये हुए कागज की बॉर्डर (किनारे) को रंगीन प्रिंटर मशीन की सहायता में कॉपी (फोटो स्टेट) कर उन्हे नोटो की शक्ल की बॉर्डर (किनारे) तैयार कर 500-500 नोंटों की गड्डियां तैयार कर 10 गड्डियों का पैकेट बनाया गया। ऐसे प्रत्येक बन्डल पर पांच सौ का एक असली नोट व उस बन्डल के नीचे एक पांच सी का असली नोट लगाकर उन्हे बाजार में चलाया जा रहा था।

पचपन लाख रुपए के बंडल

पुलिस के अनुसार करीब पचपन लाख रुपए के नकली नोट छापने का प्रयास किया गया। दस-दस

गड्डी के पैकेट बनाए गए हैं। ये नोट करीब तीन बैग में कुल 11 बन्डल भरे गए, जो देखने में 55 लाख रुपए के असली नोट प्रतीत होते हैं, असल में ये नकली नोट है। प्रत्येक गड्डी में बिना गिने करीबन सफेद कागज के बॉर्डर प्रिंट युक्त 100-100 नोट डाले है। प्रत्येक गड्डी 50 हजार रुपए की है। प्रत्येक बंडल 5 लाख रुपए का बताया जा रहा है। ऐसे ग्यारह बंडल यानी 55 लाख रुपए मूल्य के नोट छापे गए हैं। गिरफ्तार युवक ने बताया कि भरत सारस्वत निवासी गांव ठुकरियासर के कहने पर नोट तैयार किए गए।

बीकानेर से आगरा जाने थे नकली नोट

ये बन्डल आगरा में डिलिवरी दी जानी थी। आगरा से नोट छापने का आर्डर देने वाले कहा था कि फोन करके एनवक्त बताया जाएगा कि नोट किसे देने हैं। विनय कुमार पुत्र श्री दलीप राम जाति विश्नोई उम्र 29 साल निवासी वार्ड नम्बर 25 लूनकरणमर का इस काम में सहयोग लिया गया था।

इंजीनियर पर जानलेवा हमला करने वाले चार लोग गिरफ्तार:ठेकेदार और उसका एक साथी फरार, ट्रांसफर के बाद कोटा तक किया पीछा

द पुलिस पोस्ट

कोटा। उदयपुर में जल जीवन मिशन के तहत हुए काम के कुछ बिलों को रोकने पर ठेकेदार ने इंजीनियर के ट्रांसफर के बाद भी हत्या की साजिश रच दी। ठेकेदार ने इंजीनियर को कोटा में पिकअप से कुचलवाने की कोशिश की। मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं ठेकेदार और उसका एक साथी फरार है। एसपी अमृता दुहन ने बताया कि 25 जून को थाना दादाबाडी क्षेत्र के महावीर नगर विस्तार योजना में गली में पीएचईडी अभियंता पर वाहन पिकअप से जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। 29 जून को बने सिंह मीणा ने पर्चा बयान के जरिए रिपोर्ट दी थी कि वह वर्तमान में अधिषाशी अभियंता के पद पर पदस्थापित है।

हमले में एक हुआ था घायल

25 जून को शाम को करीब 6 बजे वह ऑफिस से अपने घर महावीर नगर विस्तार योजना की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज गति से पिकअप आई। बचाव के लिए बने सिंह पास के मकान के रैंप पर खड़ा हो गया। इसके बाद भी पिकअप ने जानबूझकर बने सिंह को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया और पैर का ऑपरेशन हुआ। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

सीसीटीवी खंगाले तो हुआ शक

पुलिस ने घटना स्थल के आस-पास के सीसीटीवी खंगाले तो पता लगा कि पिकअप नंबर फख 09 ऋह्न 1692 ने बने सिंह की बाइक पर जान बूझकर पिकअप चालक ने टक्कर मारी। सीसीटीवी में नजर आया कि पिकअप चालक और एक अन्य व्यक्ति एक्टिवा पर अपने साथी के साथ भागे। ऐसे में पुलिस ने बने सिंह

के ऑफिस के पास से लेकर घटना स्थल तक के सीसीटीवी खंगाले। जिसमें पता लगा कि स्कूटी चालक अधिशाषी अभियंता के पीएचईडी ऑफिस दादाबाडी से पीछा करता हुए तीन बती चौराहे दादाबाडी तक आया था और रैकी कर पिकअप में सवार हमलावरों को सूचना दी थी। पुलिस ने पिकअप ड्राइवर की तलाश में उदयपुर भेजा था। पिकअप चालक का साथी अशोक आचार्य को बापर्दा और पिकअप मालिक नरेन्द्र रावल व पिकअप उपलब्ध कराने वाले मोहम्मद हुसैन व राजेश साहू को डिटेन कर कोटा लाया गया।

बिल पास नहीं किए तो हमला

अधिशासी अभियंता बने सिंह मीणा मार्च 2024 से पहले उदयपुर में अधिशाषी अभियन्ता के पद पदस्थापित पर रहे थे। उस दौरान ठेकेदार मनोज वागडी से जल जीवन मिशन योजना के तहत किये गये कामों के बिलों के भुगतान पर हस्ताक्षर करने की बात को लेकर विवाद हुआ था। ठेकेदार मनोज वागडी डरा धमका कर फर्जी बिलो पर अधिशाषी अभियंता से हस्ताक्षर कराकर भुगतान उठाना चाहता था लेकिन अधिशाषी अभियंता बने सिंह ने हस्ताक्षर करने से मना कर दिया जिससे उसके बिलो का भुगतान अटक गया। मार्च 2024 के बाद बने सिंह का ट्रांसफर कोटा पीएचईडी में हो गया था लेकिन ठेकेदार मनोज वागडी काफी नाराज चल रहा था। इस पर मनोज वागडी ठेकेदार ने अपने दोस्त सुकेर थाना उदयपुर के हिस्ट्रीशीटर नरेश वाल्मीकि को बताया। जिस पर एचएस नरेश वाल्मीकि ने अपने साथियो के साथ मिलकर पिकअप खरीदकर घटना को अंजाम दिलाया तथा जानलेवा हमले की घटना को एक्सीडेंट का रुप देने का प्रयास किया। वारदात के पश्चात हिस्ट्रीशीटर नरेश वाल्मीकि व ठेकेदार मनोज वागडी अपने निवास स्थान से फरार चल रहे है जिनकी तलाश जारी है।

रायपुर में आरटीआई एक्टिविस्ट के घर राजस्थान पुलिस की रेड:स्पीकर ओम बिरला के डीप फेक वीडियो केस में नोटिस; कुणाल बोले डरने वाला नही

द पुलिस पोस्ट

रायपुर। राजस्थान पुलिस ने शुक्रवार को रायपुर में आरटीआई एक्टिविस्ट कुणाल शुक्ला के घर दबिश दी। पुलिस ने उन्हें नोटिस देकर 7 दिनों में कोटा के किशोरपुरा थाने में हाजिरी देने के लिए कहा है। कुणाल शुक्ला पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ झूठा प्रचार करने का आरोप है। दूसरी ओर कुणाल शुक्ला ने कहा है कि, 7 दिन क्यों? मुझे आज ही गिरफ्तार कर लें। मैं डरने वाला नहीं हूं। हालांकि पुलिस नोटिस देकर लौट गई।

कांग्रेस सरकार ने कुणाल को दिया था पद

भूपेश सरकार के कार्यकाल के दौरान आरटीआई एक्टिविस्ट कुणाल शुक्ला को कबीर विकास संचार केंद्र शोधपीठ का अध्यक्ष बनाया गया था। शोधपीठ की स्थापना कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के अंतर्गत की गई थी।

ये है मामला

13 अप्रैल को कोटा शहर का भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश जैन ने वहां के किशोरपुरा थाने में लिखित रिपोर्ट दी है। उन्होंने बताया कि कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र से बीजेपी प्रत्याशी रहे ओम बिरला

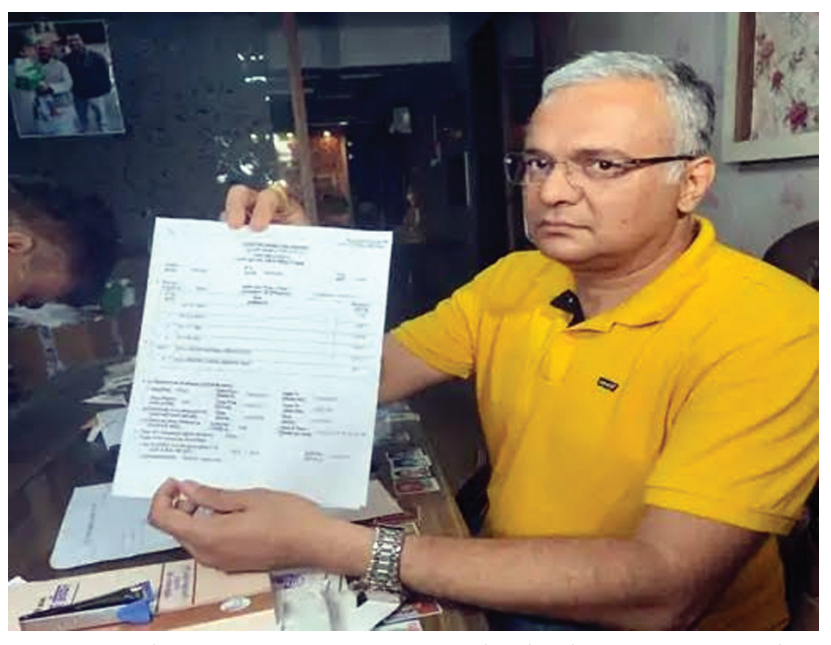

के खिलाफ सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो वायरल किया जा रहा है। वीडियो में ओम बिरला की आवाज हूबहू मिल रही है। राकेश जैन ने बताया कि नौशाद, आशव के फेसबुक पेज और वॉट्सऐप ग्रुप में मनगढंत, झूठा और प्रतिष्ठा को धूमिल करने वाला वीडियो अपलोड किया गया। इसे कुणाल शुक्ला ने भी शेयर किया था।

अब तक दो लोग गिरफ्तार

बीजेपी जिलाध्यक्ष ने कहा कि फर्जी वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट करना आपराधिक कृत्य है। ओम बिरला बीजेपी प्रत्याशी के साथ-साथ लोकसभा अध्यक्ष हैं। अब संवैधानिक पद पर बैठे शख्स के खिलाफ डीप फेक वीडियो बनाकर ओम बिरला की छवि धूमिल की जा रही है। पुलिस ने राजस्थान के आरोपी नौशाद और आशव शर्मा को गिरफ्तार किया है। अब इसी केस में कुणाल शुक्ला पर कार्रवाई की जा रही है। केस आईटी एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत दर्ज किया है।

राजेन्द्र मार्ग स्कूल ने किया नवाचार

विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों के साथ दिये कपड़े के बैग

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजेन्द्र मार्ग में शैक्षिक सत्र 2024-25 की नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों के वितरण हेतु शुक्रवार को शिक्षामंत्री की अध्यक्षता में जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह का सीधा प्रसारण विद्यार्थियों को दिखाया गया। तत्पश्चात स्थानीय यूसीईईओ परिक्षेत्र के विद्यालयों एवं स्थानीय विद्यालय के विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य-पुस्तको का वितरण कपड़े के बैग में रखकर किया गया। प्रधानाचार्य डॉ0 श्याम लाल खटीक ने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक से पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को कम करने के उद्देश्य से नवाचार करते हुए कपड़े के 4 हजार बैग बनवाये गये है, इन बैग पर विद्यालय में संचालित सभी गतिविधियों का उल्लेख किया गया हैं, विद्यालय द्वारा यह बैग सभी विद्यार्थियों को सम्बन्धित कक्षा की नि:शुल्क पाठ्य-पुस्तकें रखकर वितरित किये जा रहे हैं। यह बैग विद्यार्थियों व अभिभावकों द्वारा अन्य कार्यों के लिये भी उपयोग में लिया जा सकेंगा, जो सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंधित होने से बहुत उपयोगी रहेंगा।

परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग व ट्राफिक पुलिस ने की आकस्मिक जांच

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा जिला कलक्टर नमित मेहता व बाल वाहिनी समिति में प्राप्त निदेर्शानुसार शुक्रवार को शहर के सेण्ट्रल एकेडमी, ए स्टीवर्ड मोरिस स्कूल, कोटा बाईपास रोड़ पर आकस्मिक जांच संयुक्त रूप से परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग व ट्राफिक पुलिस द्वारा की गयी। जिला परिवहन अधिकारी गौरव यादव ने बताया कि जांच में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा स्वयं की स्कूटी/बाईक व अन्य वाहनों से बिना हेलमेट व बिना लाइसेंस व अन्य यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए चलाते पाये गये। जो कि बेहद संवेदनशील व स्कूलों से जुड़ा हुआ, सड़क सुरक्षा की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मुदा है। जिसकी स्कूल प्रबंधक व अभिभावकों द्वारा अनदेखी की जा रही है। इसी संदर्भ में संशोधित मोटर व्हीकल एक्ट 2019 की धारा 199 ए के अनुरूप ऐसे अभिभावक/बच्चों/माता -पिता पर 25000 रुपये की जुमार्ना राशि व 3 साल की सजा का प्रावधान है। स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि बच्चों के आने-जाने के लिए सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था करें व स्कूल में किसी भी बच्चे को बिना हेलमेट व बिना लाइसेंस के वाहन न लाने दिया जाये। उन्होंने बताया कि स्कूली बच्चों को, उनके अभिभावकों को और स्कूल प्रबंधन की समझाइश कर पांबद किया गया व वाहनों के चालान भी बनाये गये। अगर भविष्य में इस प्रकार बच्चों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ होते हुए पाया गया तो नियमानुसार कठोर कार्यवाही न केवल स्कूल प्रबंधन पर बल्कि बच्चों के अभिभावकों पर भी की जायेगी। यह समझाइश जिला परिवहन अधिकारी गौरव यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात राज कंवर, परिवहन निरीक्षक महेश पारीक व विवेक सिरोठा के द्वारा की गयी।

सबका साथ, सबका विश्वास, सबके प्रयास के मंतव्य पर कार्य कर रही राज्य सरकार राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म

चीड़खेड़ा (सहाड़ा) में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण कार्यक्रम

राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने 1.78 करोड़ की लागत से नवनिर्मित चीड़खेड़ा विद्यालय भवन का लोकार्पण किया

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा, प्रदेश के हर कोने में सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना वर्तमान प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है ताकि दुर्गम क्षेत्र के लोगों को विकासात्मक परियोजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके। यह बात गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य राज्य मंत्री श्री जवाहर सिंह बेढ़म ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चीड़खेड़ा(सहाड़ा) के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कहीं। राज्य मंत्री श्री बेढ़म ने डीएमएफटी मद से स्वीकृत 1.78 करोड़ की लागत से नवनिर्मित चीड़खेड़ा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा ग्रहण कर विद्यालय के छात्र छात्राओं को उच्च पदों पर जाकर क्षेत्र का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दी। इसी कड़ी में इस स्कूल के भव्य भवन का लोकार्पण किया गया, जिसका लाभ यहां के लोगों एवं छात्रों को मिलेगा। इस अवसर पर सांसद श्री दामोदर अग्रवाल, सहाड़ा विधायक श्री लादूलाल पितलिया, मांडल विधायक श्री उदयलाल भडाणा, उप जिला प्रमुख श्री शंकर लाल गुर्जर, श्री प्रशांत मेवाड़ा, उपखंड अधिकारी श्री दिव्यराज सिंह सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहें। लोकार्पण कार्यक्रम में राज्य मंत्री ने कहा कि क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और इसी दृष्टि एवं सोच के साथ पूरे प्रदेश में भी विकास कार्यों को गति दी जा रही है, जिसके लिए आप सभी का सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों को जिम्मेदार शासन एवं प्रशासन प्रदान करने के लिए हम प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने इस अल्पकाल में ही आमजन के हितों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। किसान सम्मान निधि को 6 हजार से बढ़कर 8 हजार कर राज्य के किसानों को सौगात दी है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि में बढ़ोतरी कर

पेंशनर्स को राहत पहुंचाई। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरुप राजस्थान आज अपराध मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त और विकास में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन कर अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जा रहा है। एसआईटी का गठन कर नकल माफियाओं पर प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों को कृषि में प्रोत्साहन देने के लिए गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से सरकार द्वारा राज्य के छोटे एवं सीमांत किसानों को कृषि के लिए उपकरणों की खरीद हेतु 1 लाख रुपए तक का ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। राज्य की संवेदनशील सरकार के प्रयासों से दूर दराज के क्षेत्र में भी मोबाइल पशु चिकित्सालयों के माध्यम से पशुधन इलाज के लिए मोबाइल पशु चिकित्सा वेन चालू की गई है। आयोजित शिविरों के माध्यम से पशुओं का इलाज किया जा रहा है। शीघ्र ही टोल फ्री नंबर चालू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से सम्पूर्ण भारत में 25 लाख रुपए तक के इलाज की सौगात हमे दी गई है। श्री बेढ़म ने कहा कि सरकार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मंतव्य सबका साथ, सबका विकास तथा सबके प्रयास पर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर सांसद श्री दामोदर अग्रवाल, विधायक श्री लादूलाल पितलिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि ने भी अपने विचार रखें।

जयपुर में घर में आग लगने से युवक की मौत:मां के मरने के बाद से डिप्रेशन में था,भाई को बोला था डिग्गी कल्याणजी जा रहा हूं

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। जयपुर में गुरुवार देर रात मकान में आग लग गई। कमरे में फैले धुएं में दम घुटने से युवक की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल की मदद से आग पर काबू पाया। शुरूआती जांच में आग शॉर्ट सर्किट से लगने की आशंका जताई जा रही है। एसएचओ झोटवाड़ा राजेंद्र सिंह ने बताया- हादसे में बाहुबली नगर निवारू रोड निवासी मुकेश (33) की मौत हो गई। युवक अपने पिता रविंद्र (65) और भाई पवन (35) के साथ रहता था। गुरुवार शाम को पिता और भाई काम से सालासर गए थे। घर पर वह अकेला था। रात करीब 2:30 बजे मुकेश ने भाई पवन को कॉल कर डिग्गी कल्याण जी जाने को कहा था। एसएचओ ने बताया- देर रात मुकेश ऊपर रसोई में रखा गैस सिलेंडर नीचे

कमरे में उतारकर लाया था। रात करीब 3:30 बजे घर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग से घर में रखा सामान जलने लगा। घर में धुआं भर गया। बचने की कोशिश में मुकेश के हाथ झुलस गए। फिर दम घुटने से बेहोश होकर मुकेश जमीन पर गिर गया।

गेट टूटा तो पड़ोसियों को चला पता

हर तरफ से बंद घर में धुआं भरने से दबाव बन गया। इससे धमाके के साथ गेट टूट गया। धमाके की आवाज सुनकर पड़ोसियों में दहशत फैल गई। घरों से बाहर निकलने पर पड़ोसियों को आग लगने का पता चला। लोगों की सूचना पर पुलिस और फायर बिग्रेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। घर के अंदर जमीन पर बेहोशी मिले मुकेश को कांवटिया हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। एसएचओ ने बताया- पुलिस जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगना सामने आया है। मुकेश के किचन में रखे सिलेंडर को नीचे कमरे में लाने के पीछे का कारण पता नहीं चल सका है। कयास लगाए जा रहे हैं कि मुकेश ने घर में खुद आग लगाई है। परिजनों से पूछताछ में सामने आया है कि मुकेश मानसिक रूप से बीमार है। पिछले 15 साल से दवाइयां चल रही है। 4 जून को उसकी मां की मौत होने के बाद वह डिप्रेशन में था। मां ही उसका ध्यान रखती थी।

पिता सचिवालय से रिटायर्ड, मां थी सरकारी टीचर

मुकेश के पिता रविंद्र सचिवालय से रिटायर्ड है। मां भी सरकारी टीचर के पद से रिटायर्ड हुई थी। काफी सालों से मां-बेटे यहां रह रहे थे और रविंद्र बच्चों को सांगानेर में रहते थे। करीब 1 साल से पहले ही पत्नी की तबीयत खराब रहने पर रविंद्र यहां आकर रहने लगे थे। 4 जून को मां की मौत के बाद से मुकेश ज्यादा डिप्रेशन में चला गया। मुकेश के बड़े भाई पवन की भी पत्नी से अनबन थी। इसलिए पत्नी छोड़कर पीहर गई हुई थी। घर पर रहने वाले तीनों लोग खाना भी बाहर से ही मंगवाते थे।

इंजीनियर ने सुसाइड नोट में लिखा कंपनी के एमडी जिम्मेदार:लिखा मां के निधन के बाद काम पर लौटा तो बोला वापस जाओ

द पुलिस पोस्ट

आसींद-भीलवाड़ा। आसींद थाना क्षेत्र में एक इंजीनियर ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले इंजीनियर ने एक सुसाइड नोट सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया था। आसींद थाना अधिकारी हंसपाल सिंह चौहान ने बताया कि 5 जुलाई को सुबह 6 बजे सूचना मिली कि नेशनल हाईवे 158 के ऑफिस पर एक युवक ने सुसाइड कर लिया है। घटना की

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक के शव को फंदे से नीचे उतारा। मृतक युवक की पहचान अभय सिंह निवासी उत्तर प्रदेश के रूप में हुई थी। अभय सिंह नेशनल हाईवे 158 पर भीलवाड़ा से ब्यावर तक सड़क निर्माण कर रही कंपनी के ऑफिस में इंजीनियर के रूप में काम करता है। पुलिस ने बताया-मौके से एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें लिखा है कि 'मैं अभय सिंह पुत्र राम सिंह निवासी वाराणसी (उत्तर प्रदेश) मैं लिखकर देता हूं कि मेरी मां शांत हो गई थी। जिस पर में गांव चला गया था। इसके बाद जब मैं काम पर वापस आया तो बोला गया कि आप घर जाओ। इसके बाद 4 जुलाई तक भी मेरा हिसाब नहीं किया गया। मैं अपनी मौत का जिम्मेदार कंपनी के एमडी बजरंग बेनीवाल को मानता हूं।' आपको बता दें कि आसींद से 2 किलोमीटर दूर भीलवाड़ा रोड़ पर नेशनल हाईवे 158 पर निर्माण कंपनी का प्लांट है। जहां सुबह इंजीनियर का शव लटका हुआ मिला। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि फरवरी में अभय सिंह की मां का निधन हुआ था। वह 5-7 दिन पहले काम पर लौटा था।

डोटासरा बोले-'किरोड़ी का कद बढ़ा, बीजेपी ने सम्मान नहीं किया':कहा- वह बात के धनी, इस्तीफा वापस नहीं लेंगे

द पुलिस पोस्ट

सीकर। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- बीजेपी में किरोड़ीलाल मीणा का सम्मान नहीं हुआ इससे आहत होकर उन्होंने इस्तीफा दिया है। वह बात के धनी है अब इस्तीफा वापस नहीं लेंगे। पर्ची वाली सरकार के राज में राजस्थान में कोई काम नहीं हो रहा। इसे लेकर जनता में भी सरकार के खिलाफ आक्रोश है। पीसीसी चीफ आज जयपुर से सीकर आए थे। उनकी पत्नी सुनीता देवी के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति समारोह में शामिल होने शिवसिंहपुरा स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल गए। समारोह के बाद मीडिया से बात करते हुए सरकार पर निशाना साधा और किरोड़ी को बीजेपी में सम्मान नहीं मिलने की बात कही।

राजस्थान में सरकार के खिलाफ आक्रोश

डोटासरा ने सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा- पिछले 6-7 महीनों में प्रदेश सरकार ने कोई काम नहीं किया है। 5 सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं। भाजपा का कोई नेता इस्तीफा दे रहा है तो कोई बोल रहा है कि ब्यूरोक्रेसी हावी है। आज की तारीख में राजस्थान में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है, सारा का सारा काम झगड़े का है। राजस्थान में आज कोई काम हो नहीं रहा, इसे लेकर जनता में भी सरकार के खिलाफ आक्रोश है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी ने देश के मुद्दों को रखा है। वही राजस्थान में कांग्रेस पार्टी ने टीकाराम जूली के नेतृत्व में सरकार को घेरने का काम किया है।

किरोड़ी अब इस्तीफा वापस नहीं लेंगे

किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे की बात पर बोले- बीजेपी में किरोड़ीलाल मीणा का सम्मान नहीं हुआ। उससे आहत होकर उन्होंने इस्तीफा दिया। जो कद उनका है, वह इस सरकार में मिल नहीं पाया। राजस्थान में पर्चियों से सरकार बन गई। मेरा मानना है कि वह बात के धनी है अब इस्तीफा वापस नहीं लेंगे।

शिक्षा मंत्री दें इस्तीफा

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पर कहा- शिक्षा मंत्री का काम होता है कि वह प्रदेश में क्वालिटी एजुकेशन दें,सुसंस्कारित शिक्षा दे लेकिन वह आदिवासी समाज पर टिप्पणी कर रहे हैं। इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए और मुख्यमंत्री को उनसे इस्तीफा लेकर अन्य किसी को विभाग को सौंपना चाहिए।

पीसीसी चीफ की पत्नी ने लिया रिटायरमेंट

पीसीसी चीफ की पत्नी सुनीता देवी ने सरकारी टीचर पद से स्वैच्छिक रिटायरमेंट लिया है। वे शिवसिंहपुरा स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पोस्टेड थी। स्कूल में आज उनका रिटायरमेंट समारोह रखा गया, जिसमें डोटासरा पहुंचे थे। समारोह में सुनीता देवी ने कहा कि मेरे पिता भी टीचर थे और ससुर भी टीचर थे। डोटासरा ने भी स्कूल स्टाफ का आभार

जताया। सुनीता देवी ने जुलाई 1989 में टीचर के रूप में सर्विस ज्वॉइन की थी। 2029 में उनका रिटायरमेंट होना था लेकिन पारिवारिक कारणों से उन्होंने सेवानिवृत्ति ली।

पूंजीगत खर्चों में वृद्धि एवं मध्यवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान की जानी चाहिए बजट में

प्रहलाद सबनानी

देश में कर संग्रहण में आकर्षक वृद्धि के बाद ही गरीब वर्ग की सहायता के लिए भी विभिन्न योजनाएं सफलता पूर्वक चलाई जा सकेंगी। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या में वृद्धि को ध्यान में रखकर ही बनाया जाना चाहिए। ऐसा कहा भी जाता है कि मध्यवर्गीय परिवार गरीब परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने में सदैव आगे रहा है।

जुलाई 2024 माह में शीघ्र ही केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्णकालिक बजट पेश किया जाने वाला है। हाल ही में लोक सभा के लिए चुनाव भी सम्पन्न हुए हैं एवं भारतीय नागरिकों ने लगातार तीसरी बार एनडीए की अगुवाई में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को सत्ता की चाबी आगामी पांच वर्षों के लिए इस उम्मीद के साथ पुनः सौंप दी है कि आगे आने वाले पांच वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा देश में आर्थिक विकास को और अधिक गति देने के प्रयास जारी रखे जाएंगे। अब केंद्र सरकार में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण शीघ्र ही केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं।

पिछले लगातार दो वर्षों के बजट में पूंजीगत खर्चों की ओर इस सरकार का विशेष ध्यान रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था और वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस राशि में 33 प्रतिशत की राशि की भारी भरकम वृद्धि करते हुए 10 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भी 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 11 प्रतिशत ही अधिक है। इस राशि को यदि 33 प्रतिशत तक नहीं बढ़ाया जा सकता है तो इसे कम से कम 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आगे बढ़ाने के प्रयास होना चाहिए अर्थात वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि के स्थान पर 12.5 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया जाना चाहिए।

किसी भी देश की आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि होना बहुत आवश्यक है और फिर भारत ने तो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर की रफ्तार को पकड़ा ही है। आर्थिक विकास की इस वृद्धि दर को बनाए रखने एवं इसे और अधिक आगे बढ़ाने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करना ही चाहिए। आर्थिक विकास दर में तेजी के चलते देश में रोजगार के नए अवसर भी अधिक मात्रा में विकसित होते हैं। जिसकी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत को बहुत अधिक आवश्यकता भी है। भारत में पिछले 10 वर्षों के दौरान विकास की दर को तेज करने के चलते ही लगभग 25 करोड़ नागरिक गरीबी रेखा के ऊपर उठ पाए हैं एवं करोड़ों नागरिक मध्यवर्ग की श्रेणी में शामिल हुए हैं। अब भारत में

गरीबी की दर 8.5 प्रतिशत रह गई है जो वित्तीय वर्ष 2011-12 में 21.1 प्रतिशत थी। गरीबी की रेखा से बाहर आए इन नागरिकों एवं मध्यवर्गीय नागरिकों ने देश में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही, कर संग्रहण में भी इस वर्ग ने महती भूमिका अदा की है। आज प्रत्यक्ष कर संग्रहण लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता हुआ दिखाई दे रहा है तथा वस्तु एवं सेवा कर भी अब औसतन लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए प्रतिमाह से अधिक की राशि के संग्रहण के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक की राशि का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध कराया है तो सरकारी क्षेत्र के बैंकों/उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित कर केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश उपलब्ध कराया है, जबकि कुछ वर्ष पूर्व तक केंद्र सरकार को सरकारी क्षेत्र के बैंकों के घाटे की आपूर्ति हेतु इन बैंकों को बजट में से भारी भरकम राशि उपलब्ध करानी होती थी। कुल मिलाकर इस आमूल चूल परिवर्तन से केंद्र सरकार के बजटीय घाटे में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के दौरान 8 प्रतिशत से अधिक हो गया था जो अब वित्तीय वर्ष 2024-25 में घटकर 5.1 प्रतिशत तक नीचे आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार, अब यह सिद्ध हो रहा है कि केंद्र सरकार ने न केवल अपने वित्तीय संसाधनों में वृद्धि करने में सफलता अर्जित की है बल्कि अपने खर्चों को भी नियंत्रित करने में सफलता पाई है।

पूंजीगत खर्चों में वृद्धि के साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा अपने बजट में मध्यवर्गीय नागरिकों को आय कर की राशि में छूट देने का प्रयास भी वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में किया जाना चाहिए। क्योंकि, प्रत्यक्ष कर संग्रहण में हो रही भारी भरकम 25 प्रतिशत की वृद्धि इसी वर्ग के प्रयासों के चलते सम्भव हो पा रही है। वैसे, भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भी नागरिकों/करदाताओं पर करों का बोझ केवल उतना ही होना चाहिए जितना एक मधुमक्खी किसी फूल से शहद लेती है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में अधिक राशि पहुंचने का सीधा सीधा फायदा अर्थव्यवस्था को ही होता है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में यदि खर्च करने के लिए अधिक राशि पहुंचती है तो वह विभिन्न उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देता है इससे इन उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होती है और इन उत्पादों का उत्पादन बढ़ता है। उत्पादन बढ़ने से रोजगार के नए अवसर अर्थव्यवस्था में निर्मित होते हैं एवं कम्पनियों द्वारा विनिर्माण इकाईयों का विस्तार किया जाता है तथा निजी क्षेत्र में भी पूंजीगत निवेश बढ़ता है। कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था के चक्र को बढ़ावा मिलता है जो अंततः देश के कर संग्रहण में भी वृद्धि करने में सहायक होता है। मध्यवर्गीय परिवार के आय कर में कमी करने से बहुत सम्भव है कि भारत में औपचारिक अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिले। क्योंकि कई देशों में यह सिद्ध हो चुका है कि कर की राशि को कम रखने से औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है इससे कर की दर को कम करने के उपरांत भी कर संग्रहण में वृद्धि होते हुए देखी गई है। ऐसा कहा जाता है कि भारत में अभी भी अनऔपचारिक अर्थव्यवस्था औपचारिक अर्थव्यवस्था के करीब करीब बराबरी पर ही चलती हुए दिखाई देती है। हालांकि केंद्र सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में आर्थिक व्यवहारों के भारी मात्रा में डिजिटलीकरण करने के उपरांत भारत की अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में बहुत मदद मिली है और इसी के चलते ही वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रतिमाह के स्तर पर पहुंच सका है। अतः कुल मिलाकर देश में मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेज गति से आगे बढ़ेगी देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई देगा।

दरअसल, देश में कर संग्रहण में आकर्षक वृद्धि के बाद ही गरीब वर्ग की सहायता के लिए भी विभिन्न योजनाएं सफलता पूर्वक चलाई जा सकेंगी। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या में वृद्धि को ध्यान में रखकर ही बनाया जाना चाहिए। ऐसा कहा भी जाता है कि मध्यवर्गीय परिवार गरीब परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने में सदैव आगे रहा है।

संपादकीय

कांग्रेस पर तीखा हमला

ष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। विपक्ष ने प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान काफी हंगामा करने के बाद वॉकआउट कर दिया। मोदी ने इसका उपहास करते हुए आपातकाल की घटनाओं का उल्लेख किया। कांग्रेस को सबसे सबसे बड़ी संविधान विरोधी पार्टी करार देते हुए कहा कि १९७७ का चुनाव इसी मुद्दे पर लड़ा गया था जिसमें कांग्रेस की करारी हुई थी। ७५ साल पुराने कानून पर चर्चा और ५० साल पुराने आपातकाल को भूलने पर कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करते हुए मोदी ने कहा कि पाप पुराना होने के बाद खत्म नहीं हो जाता। विपक्ष के मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री के न बोलने का जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि वहां पहले से अधिक शांति है स्कूल कॉलेज दफ्तर खुल रहे हैं। मनमोहन सिंह के सरकार के दौरान भी संविधान की धज्जियां उड़ाने की बात भी दोहराई। रोजमर्रा की जिंदगी में सरकार के दखल को कम करने की चर्चा की ताकि अपने बलबूते आगे बढक्ष्स्ने वालों को सरकारी दखल से परेशान न होना पड़े.। लोकतंत्र की यह खूबी कही जाएगी जहां विपक्ष को सरकार का प्रतिरोध करने की पूरी आजादी होती है। खासकर नई लोक सभा में पिछली के मुकाबले विपक्ष का संख्या बल बढक्ष्स्ने है जिसका लाभ लेने से वे चूकना नहीं चाहते। सत्ता पक्ष को भी इसका भरपूर ख्याल रखना चाहिए ताकि विपक्ष की आवाज दबती न प्रतीत हो। विपक्ष का भी दायित्व है कि सदन की मयार्दा बनाए रखते हुए अपनी बात रखे। हालांकि राज्यों को साथ लेकर चलने की मोदी की बात की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए जैसा कि उन्होंने कहा विश्व देश में निवेश को राजी है जिसकी हर राज्य को मुस्तैदी से तैयारी करनी चाहिए। असल विकास तभी संभव है जब सब मिल जुलकर सर्वजन हिताय काम करने को राजी होंगे। हालांकि सरकार हमेशा अपनी पीठ थपथपाने का काम करती नजर आती है जबकि हकीकत कुछ और ही होती है। जिस वक्त मोदी अपने भाषण में प. बंगाल में एक महिला की पिटाई की बात कर रहे थे ठीक उसी वक्त यहां उप्र में सत्संग के दौरान सवा सौ लोग भगदड़.में कुचल कर मारे गए। उन पर दो शब्द बोले जाने भी आवश्यक थे। देश के मुखिया को पक्षपाती नहीं होना चाहिए। करिश्माई चरित्र होने के नाते उनकी बात समूचा देश ध्यान से सुनता है। इसलिए उन्हें जिम्मेदार अभिभावक की तरह हर नागरिक की भावना का ख्याल रखते हुए ही बोलना चाहिए।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

जैविक कृषि से घटेगा पानी का संकट

संजय गोस्वामी

जैविक कृषि मि ी की उर्वरता में सुधार करता है और जैविक विविधता को बनाए रखता है। यह पर्यावरण के लिए लाभदायक है रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग के कारण पानी की खपत अत्यधिक बढ़ी है। मि ी में सैकड़ों किस्म के जीव-जन्तु और जीवाणु होते हैं, जो खेती के लिए हानिकारक कीटों को खा जाते हैं और साथ ही मि ी को भुरभुरा, सजीव और उर्वर बनाते हैं। ऐसी भूमि में वर्षा जल के संचय की क्षमता बहुत ज्यादा होती है। लेकिन रासायनिक खाद और कीटनाशक खेती के लिए उपयोगी जीव-जन्तुओं और जीवाणुओं को नष्ट कर देते हैं।कृषि में प्रयुक्त रसायन अनाजों, फलों, सब्जियों और दूध के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश करने लगे हैं, जिससे गर्भपात, कैंसर तथा अन्य घातक बीमारियां बढ़ने लगी हैं। जिन छोटे किसानों के पास अपना नलकूप नहीं होता है उन्हें पानी खरीदने के लिए ज्यादा पैसा देना पड़ता है। किसान कर्जे के बोझ

से दबते जाते हैं। पानी की समस्या आने वाले वर्षों में विकराल रूप ले सकती है और भारत को भीषण अन्न संकट का सामना करना पड़ सकता है।। अभी भी भारत की मात्र 35 फीसदी कृषि भूमि में अत्यंधिक सिंचाई और रसायनों के प्रयोग वाली खेती होती है। शेष 65 प्रतिशत कृषि उपेक्षित है। अगर इस प्रकार की कृषि और रासायनिक उर्वरकों तथा कीटनाशकों के लिए दी जाने वाली भारी सब्सीडी को जल पुनर्भरण और सम्पूर्ण कृषि भूमि में जैविक कृषि के विकास के लिए लगा दिया जाए तो पानी का संकट घटेगा और कृषि उत्पादन भी बढ़ेगा। यही कारण है कि यूरोप, अमेरिका वाले तेजी से जैविक खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं और रसायनों के उपयोग से उपजे अनाज, फल तथा सब्जियों के आयात पर रोक लगा रखी है, विडम्बना यह है कि जिन जहरीले कीटनाशकों का प्रयोग उन्होंने अपने देश में प्रतिबंधित कर रखा है सारा सार्वजनिक धन इसी पर लगाया जाता है। उन्हीं का निर्यात दुनिया के देशों को करते हैं।जैविक खेती में बहुत कम पानी की जरूरत होती है, क्योंकि सजीव मि ी अपनी प्रकृति के कारण वर्षाजल को सोखकर लम्बे समय तक सरस बनी रहती है। गोबर खाद, केंचुआ खाद तथा अन्य जैविक खादों और कीटनाशक के रूप में नीम, लेमन ग्रास जैसे दर्जनों साधन प्रचुरता में उपलब्ध हैं जिनका उपयोग हो सकता है। रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुन्ध प्रयोग से मृदा संरचना नष्ट हो जाती है जिससे मृदा के कण एक दूसरे से अलग हो जाते हैं परिणामस्वरूप मृदा अपरदन की दर में तीव्र वृद्धि की सम्भावना बढ़ जाती है।रासायनिक खते का जैविक खेत में रूपांतरण में जो समय लगता है, उस समय को ब्वरूपांतरण अवधि कहते है। जबकि मृदा उर्वरकता आरै पारिस्थितिकी के संतुलन को पुनः स्थापित करने के लिए यह अवधि हमेशा पर्याप्त नही होती,इसलिए इस अवधि में वहा सारे कार्य करने है,जिनसे हम अपने लक्ष्य तक पहंचु सके।कृषि में जल के अत्यधिक प्रयोग से जलजमाव के कारण मृदा की लवणता एवं क्षारीयता में वृद्धि होती है जिससे उपजाऊ भूमि उसर भूमि में परिवर्तित हो जाती है। सिंचाई जल के कुप्रबन्धन के कारण देश की लगभग 6.5 मिलियन हेक्टयर भूमि जल जमाव से प्रभावित है तथा तकरीबन 7.5 मिलियन हेक्टेयर भूमि लवणता एवं क्षारीयता से प्रभावित है। अतः देश को पानी के संकट से बचाने के लिए, पारम्परिक कृषि के स्थान पर जैविक कृषि के माध्यम जैविक खादों और कीटनाशक के रूप खेतों में प्रयोग करना अति आवश्यक है।

स्पेशल ऑडिटः ऐसे होते रहना चाहिए

रजनीश कपूर

कई दशकों पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने सार्वजनिक रूप से यह बात स्वीकार की कि जनता के विकास के लिए आवंटित धनराशि का जो प्रत्येक 100 रुपया दिल्ली से जाता है, वह जमीन तक पहुंचते-पहुंचते मात्र 14 रुपये रह जाता है। 86 रुोपये रास्ते में भ्रष्टाचार की बलि चढ़ जाते हैं। सारा विकास केवल कागजों पर ही होता है। बीते दशकों में प्रशासनिक भ्रष्टाचार के बावजूद नागरिकों को कुछ सुविधाएं अवश्य मिली हैं। अलबत्ता, जिस तरह के विकास का प्रचार हुआ उसने राजीव गांधी की बात याद दिला दी।

इंद्रदेव के कहर के कारण देश के कई भागों से काफी दर्दनाक दृश्य सामने आए। हर तरफ से तबाही के विचलित करने वाले दृश्यों को देख मन में यही सवाल उठा कि इस साल मानसून की पहली बारिश से जो हाल हुआ है, क्या वो वास्तव में प्राकृतिक आपदा माना जाए? क्या इस तबाही के पीछे इंसान का कोई हाथ नहीं? क्या भ्रष्ट सरकारी योजनाओं के चलते ऐसा नहीं हुआ? कब तक हम ऐसी तबाही को कुदरत का कहर मानेंगे? सरकार चाहे किसी भी दल या राज्य की क्यों न हो जनता के वोट पाने के लिए विकास के कार्यों की अनेक जनोपयोगी योजनाओं की घोषणाएं की जाती हैं। इन्हें सुन कर हर कोई मानता है कि नेता जी ने एक बड़ा सपना देखा है और ये सारी योजनाएं उसी सपने को पूरा करने की तरफ एक-एक कदम हैं।

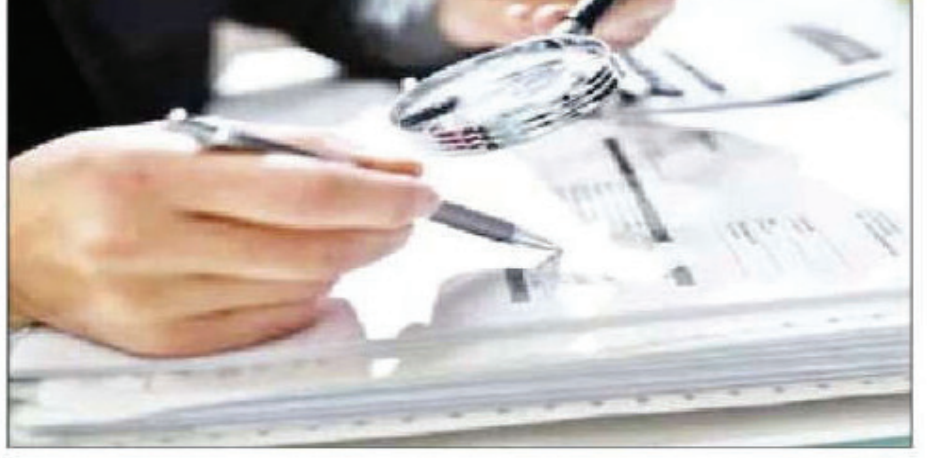

बीते कुछ वर्षों में घोषित योजनाओं में से कुछ का निि त रूप से लाभ आम जन को मिला है। दूसरी ओर, कई घोषित योजनाएं केवल कागजों पर ही दिखाई दी। यदि कोई प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री जनता के कल्याण के लिए अनेक दकियानूसी परंपराओं तोड़कर क्रांतिकारी योजनाएं लाते हैं, तो यह भी जरूरी है कि समय समय पर वे इस बात का जायजा भी लेते रहें कि घोषित कार्यक्रमों का क्रियान्वयन कितने फीसद हो रहा है। तीसरी बार प्रधानमंत्री बने मोदी जी हों या किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री, उन्हें जमीनी सच्चाई जानने के लिए गैर-पारंपरिक साधनों का प्रयोग करना पड़ेगा। मौजूदा खुफिया एजेंसियां या सूचना तंत्र उनकी सीमित मदद ही कर पाएंगे। प्रशासनिक ढांचे का अंग होने के कारण इनकी अपनी सीमाए होती हैं। इसलिए देश या सूबे के मुखिया को गैर-पारंपरिक 'फीड-बैक मैकेनिज्म' का सहारा लेना पड़ेगा।

हजारों साल पहले भारत के पहले सबसे बड़े मगध साम्राज्य के शासक सम्राट अशोक जादूगरों और बाजीगरों के वेश में अपने विश्वासपात्र लोगों को भेजकर अपने साम्राज्य में जमीनी हकीकत का पता लगवाते थे और उसके आधार पर प्रशासनिक निर्णय लेते थे। आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में यह आसानी से किया जा सकता है। यदि मोदी जी या कोई मुख्यमंत्री ऐसा कुछ करते हैं, तो उन्हें इसका बहुत बड़ा लाभ होगा। ऐसा करते हैं, तो उन्हें उपलब्धियों के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर आंकड़े प्रस्तुत करने वाली अफसरशाही और खुफिया तंत्र गुमराह नहीं कर पाएंगे क्योंकि उनके पास समानांतर स्रोत से सूचना पहले से ही उपलब्ध होगी। अप्रत्याशित स्थिति से निपटने का यही तरीका है कि अफसरशाही के अलावा जमीनी लोगों से भी हकीकत जानने की कोशिश की जाए। यह पहल प्रशासनिक मुखिया को ही करनी होगी। मिसाल के तौर पर इस साल की पहली बारिश के चलते देश के कई एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, ट्रेनों, सड़कों, पुलों आदि के नुकसान को गंभीरता से लेना चाहिए। विपक्ष चाहे जैसे भी हमले करे पर केंद्र और राज्य सरकारों को हादसों से सबक लेते हुए संबंधित राज्य सरकारों, मंत्रालयों, विभागों और अफसरशाही से समयबाधित रिपोर्ट लेनी चाहिए। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

विकास की घोषित योजनाओं का 'सोशल ऑडिट' भी जरूरी है। इसके लिए देश के मुखिया या मुख्यमंत्रियों को अपने विश्वसनीय सेवानिवृत्त अधिकारियों, पार्टी के समर्पित कार्यकताओं और स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों की संयुक्त टीम बनानी चाहिए जो वस्तुस्थिति का मूल्यांकन करें और उन तक निष्पक्ष रिपोर्ट भेजें। 'सोशल ऑडिट' करने का यह तरीका किसी भी लोकतंत्र के लिए फायदे का सौदा होता है। इसलिए जो भी प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री ईमानदार होगा, पारदर्शिता में जिसका विश्वास होगा और जो वास्तव में अपने लोगों की भलाई और तरक्की चाहेगा, वो सरकारी तंत्र के दायरे के बाहर इस तरह का 'सोशल ऑडिट' करवाना अपनी प्राथमिकता में रखेगा। चूंकि चुनावी सभा में हर दल के नेता बार-बार 'जवाबदेही' और 'पारदर्शिता' पर जोर देते हैं, इसलिए निर्वाचित होने के बाद उन्हें यह सुझाव अवश्य ही पसंद आएगा। आशा की जानी चाहिए कि आने वाले समय में देश के कोने-कोने से जागरूक नागरिकों द्वारा प्रधानमंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्रियों को ऐसा 'सोशल ऑडिट' करवाने के लिए आ ान किया जाएगा। इससे देश में नई चेतना और राष्ट्रवाद का संचार होगा। भ्रष्टाचार पर लगाम भी कसेगी। जनहित की योजनाओं की घोषणाएं भी कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर सफल होती नजर आएंगी।

दिल्ली में नड्डा से मिले किरोड़ीलाल मीणा:इस्तीफे पर बोले 45 साल से जिस क्षेत्र में सेवाएं दीं, वे लोग विमुख हुए, बर्दाश्त नहीं कर सकता

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद किरोड़ीलाल मीणा आज दिल्ली पहुंच गए हैं। दिल्ली में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने के बाद भी किरोड़ीलाल मीणा अपने इस्तीफे के स्टैंड पर कायम हैं। नड्डा से मिलने के बाद किरोड़ीलाल मीणा ने कहा- मैंने इस्तीफा बहुत पहले दे दिया था। उजागर कल किया था, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुझे आज 11:15 बजे मिलने बुलाया था। उन्होंने मुझसे पूछा इस्तीफा क्यों दिया, मैंने कहा एक ही कारण है कि मैं 40-45 साल से जिस क्षेत्र में सेवाएं दे रहा हूं, न दिन देखा न रात देखा, न गर्मी न सर्दी देखी। वो लोग मेरे से विमुख हो गए, यह चीज मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता, इसलिए नैतिकता के नाते मंत्री पर छोड़ दिया, क्योंकि मैंने लोकसभा चुनाव में इसकी घोषणा की थी। मैं मेरे विधानसभा और संसदीय क्षेत्र में पार्टी को जीत नहीं दिला सका यही कारण है और कोई कारण नहीं है। इस्तीफा वापसी के सवाल पर कहा कि यह अलग बात है, 10 दिन बाद मिलूंगा, फिर बताऊंगा।

मैंने इमरजेंसी में मोदीजी के साथ काम किया, वे मुझसे स्नेह रखते हैं

किरोड़ी ने कहा- यह बात सही है कि इमरजेंसी में मोदी जी के साथ काम किया है, मैं मीसा में भी बंदी रहा हूं, यातनाएं भी बहुत दी गईं। मैं पार्टी लाइन नहीं छोड़ता, पार्टी के

अनुशासन में रहता हूं। मोदी मुझे बहुत स्नेह करते हैं, मित्रवत संबंध रखते हैं, मैं भी उनका बहुत आदर करता हूं।

भाई को टिकट दिलाने की मांग नहीं की

भाई को दौसा से टिकट की पैरवी के सवाल पर किरोड़ीलाल ने कहा कि यह गलत है, ऐसी कोई बात नहीं है। चुनाव में जहां भी मेरे को भेजा जाएगा, मैं वहां काम करूंगा। तीन उप चुनाव ऐसे हैं, जहां एसटी बाहुल्य क्षेत्र है, मैं वहां काम करूंगा हम उम्मीदवारों को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे।

हम पद के लिए राजनीति में नहीं आए

पद की मेरी कोई चाहत नहीं है। किसी से कोई नाराजगी नहीं है। हम संघ की शाखा में गीत गाया करते थे- नहीं चाहिए पद, शीश चढ़ाकर मां के चरणों में.... पद के लिए न मोदी जी आए न मैं आया। न कोई और आया, हम तो राष्ट्रभक्ति के भाव से काम करने आए हैं, यह संस्कार है देश कैसे मजबूत हो, उसके लिए पद मिले तो काम करना, न मिले तो भी काम करना है। किरोड़ी ने गुरुवार को इस्तीफा देने का खुलासा करने के बाद कहा था कि वे शुक्रवार को दिल्ली जाएंगे। किरोड़ीलाल के इस्तीफा देने के बाद दिल्ली बुलाना, उन्हें मनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा हैं। दरअसल, किरोड़ीलाल एक महीने पहले ही अपना इस्तीफा सीएम भजनलाल शर्मा को भेज चुके थे। सीएम ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया था। इस्तीफा देने के बाद किरोड़ीलाल अपनी मर्जी से दिल्ली गए थे। बताया जा रहा है कि उनसे दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने मुलाकात नहीं की थी। इससे नाराज होकर किरोड़ीलाल ने जयपुर लौटकर अपने इस्तीफा देने का खुलासा कर दिया।

भाजपा की बढ़ सकती है परेशानी

किरोड़ीलाल मीणा का इस्तीफा मंजूर हुआ तो पार्टी की परेशानी बढ़ सकती है। जानकार कहते हैं कि मीणा का सियासी ट्रैक रिकॉर्ड देखें तो वे हमेशा आक्रामकता से मुद्दे उठाते रहे हैं। लोकसभा चुनावों में बीजेपी की हार के मुद्दे पर वे सरकार से बाहर आते हैं तो सरकार के साथ बीजेपी के लिए भी असहज हालात पैदा होंगे। आगे पांच विधानसभा सीटों के उप-चुनावों और निकाय-पंचायत चुनावों में भी नरेटिव खराब हो सकता है। अब तक सरकार में रहकर कई मुद्दों पर शांत रहने वाले किरोड़ीलाल को मुखर होने का मौका मिल जाएगा। किरोड़ी सरकार में नहीं रहे तो मुद्दे उठाने के लिए आजाद हो जाएंगे।

उप चुनाव में दी गई है जिम्मेदारी

राजस्थान में जल्द ही 5 विधानसभा सीटों पर विधानसभा उप चुनाव होने हैं। इनमें झुंझुनूं, खींवसर, दौसा, देवली-उनियारा और चौरासी की सीटें हैं। भाजपा ने कुछ दिन पहले ही किरोड़ीलाल मीणा को दौसा सीट का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है।अब उनके इस्तीफे की जानकारी सामने आने के बाद पार्टी को यहां चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। दौसा विधानसभा सीट से मुरारीलाल मीणा विधायक थे, लेकिन उनके सांसद चुने जाने के बाद यह सीट खाली हो गई थी।

विधानसभा चुनाव के बाद से ही नाराजगी

दिसंबर 2023 में भाजपा की सत्ता में वापसी हुई तो माना जा रहा था किरोड़ीलाल को उपमुख्यमंत्री जैसा पद मिल सकता है। जब सरकार बनी तो उन्हें कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री बनाया, इन विभागों के भी टुकड़े करके दिए। बताया जाता है कि सरकार बनने के बाद से ही वे असहज महसूस कर रहे थे। लोकसभा चुनावों में किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा दौसा से बीजेपी टिकट के दावेदार थे। बीजेपी ने दौसा से जगमोहन मीणा को टिकट नहीं दिया, उनकी जगह कन्हैयालाल मीणा को टिकट दिया। कन्हैयालाल मीणा बड़े अंतर से हारे।

धार्मिक कार्यक्रम में किया था इस्तीफा देने का खुलासा

किरोड़ीलाल मीणा गुरुवार को जयपुर के मानसरोवर में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। यहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए अपना इस्तीफा देने का खुलासा किया था। किरोड़ीलाल ने कहा था- मैंने 5 जून को अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री को भेज दिया था। उसके बाद 25 जून को मैंने मिलकर भी उनको इस्तीफा सौंपा। उन्होंने इस्तीफे को पूरी तरह से ठुकरा दिया। इसके बाद मैंने उन्हें इस्तीफा मेल कर दिया है। इसकी घोषणा आज की है। किरोड़ीलाल ने कहा- जैसा कि आप लोग जानते हो की तमाम कोशिश के बाद भी मैं अपने प्रभाव वाले क्षेत्र में पार्टी को जीता नहीं सका। मैंने चुनाव के दौरान घोषणा कर दी थी। उस घोषणा को मैंने पूरा किया है। दिन-रात मैंने जनता के लिए संघर्ष किया, लेकिन जनता ने मेरी नहीं मानी। मुझे निराश किया। इसलिए मैंने अंतरात्मा की आवाज से पद छोड़ दिया। उन्होंने कहा था कि मेरी मुख्यमंत्री से कोई शिकायत नहीं है। न ही कोई संगठन से शिकायत है। न ही कोई अपेक्षा है और न ही मुझे कोई पद चाहिए। ईमानदारी से कह रहा हूं, मैं अपनी पार्टी को नहीं जीता सका। मेरी यह असफलता है, उसी असफलता के कारण मैंने इस्तीफा दिया है।

कहा था, आगे भी जनता के मुद्दों को उठाता रहूंगा

किरोड़ी लाल मीणा ने कहा था कि जब मैं सरकार था। तब मैंने आरएएस भर्ती परीक्षा को स्थगित करने की मांग की थी। वह परीक्षा स्थगित कर दी गई। हॉर्टिकल्चर की जमीन कौड़ियों के भाव में अलवर में बेच दी थी। मैंने सरकार का ध्यान आकर्षित किया। वह जमीन निरस्त हो गई। जल जीवन मिशन के घोटाले की सीबीआई जांच की मांग मैंने सरकार से की थी। सरकार ने सीबीआई को जांच दे दी। सरकार में था तब भी जनता के मुद्दों को मजबूती से रखने का काम किया। आगे भी यह चलता रहेगा। दरअसल, पिछले दिनों कृषि विभाग के इंजीनियरों के तबादलों को लेकर भी किरोड़ीलाल और पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर के बीच तनातनी सामने आई थी। पंचायतीराज आयुक्त ने आदेश जारी कर किरोड़ीलाल के विभाग से जारी तबादलों को गलत बताते हुए जॉइनिंग पर रोक लगा दी थी। इसके बाद जब विवाद बढ़ा तो फिर से आदेश निकाले गए। इस मुद्दे ने किरोड़ीलाल की नाराजगी को और बढ़ा दिया था।

रिजल्ट के दिन लिखा था- प्राण जाए पर वचन न जाए

लोकसभा चुनावों के रिजल्ट से पहले रुझानों में बीजेपी को 11 सीटें हारते देख ही मीणा ने दोपहर में ही सोशल मीडिया पोस्ट करके इस्तीफे के संकेत दे दिए थे। उन्होंने रामचरित मानस की चौपाई- रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाए, लिखकर संकेत दिए कि वे अपनी घोषणा से पीछे नहीं हटेंगे।

जयपुर में बॉयफ्रेंड ने किया युवती से रेप:सोशल मीडिया पर हुई थी दोस्ती, मिलने के बहाने होटल में बुलाया

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। जयपुर में एक बॉयफ्रेंड के युवती से रेप करने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर आरोपी बॉयफ्रेंड से उसकी दोस्ती हुई थी। मिलने के बहाने आरोपी ने होटल में बुलाकर रेप किया। शादी का झांसा देकर उसके साथ रेप करता रहा। जवाहर सर्किल थाने में पीड़िता ने FIR दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसएचओ (जवाहर सर्किल) विनोद सांखला कर रहे हैं। पुलिस ने बताया- गांधी नगर निवासी 23 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। कुछ समय पहले उसकी सोशल मीडिया पर नगेन्द्र सिंह निवासी खातीपुरा से बातचीत हुई थी। सोशल मीडिया पर चेट के दौरान मोबाइल नंबर लेकर एक-दूसरे से बात करने लगे। बातचीत के दौरान आरोपी नगेन्द्र सिंह ने उसे अपने प्यार के जाल में फांस लिया। दबाव बनाकर मिलने के बहाने जवाहर सर्किल स्थित एक होटल में बुलाकर जबरदस्ती की। विरोध करने पर आरोपी ने शादी करने का वादा किया। शादी करने का झांसा देकर आरोपी लगातार देहशोषण करता रहा। काफी समय बीतने पर पीड़िता के शादी करने का दबाव बनाने पर आरोपी ने मना कर दिया। धोखे का एहसास होने पर पीड़िता ने जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

पुलिस सुनती तो नहीं जाती ऑनर किलिंग में जान:पति रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचा तो थाने से भगाया, मारकर जलाने की सूचना दी तब हुई सक्रिय

द पुलिस पोस्ट

बारां। झालावाड़ में एक दिन पहले हुए ऑनर किलिंग के मामले में नया खुलासा हुआ है। बारां के हरनावदा शाहजी कस्बे से युवती को अगवा करने के तुरंत बाद उसका पति पुलिस थाने रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंच गया, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज करने के बजाए उसे भगा दिया। वह 2-3 घंटे तक इधर-उधर भटकता रहा। इसी बीच उसे फोन पर युवती को जान से मारकर जलाने की सूचना मिली तो उसने डीएसपी के साथ मीटिंग में बैठे थानाधिकारी को यह सूचना दी। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और झालावाड़ के सोरती गांव से युवती का अधजला शव बरामद किया। ओनर किलिंग का शिकार हुई युवती के पति रविंद्र कुमार भील ने बताया- गुरुवार सुबह करीब 11 बजे शिमला के साथ वह हरनावदा शाहजी स्थित सेंट्रल बैंक के सामने खड़ा था। तभी शिमला का भाई सोरती निवासी मांगीलाल, काका, काकी, मेघराज कुशवाह वहां पहुंचे और शिमला से मारपीट कर अपने साथ ले गए। इसकी रिपोर्ट कराने के लिए वह करीब 11.30 बजे हरनावदा शाहजी थाने पर गया था, लेकिन दो से तीन घंटे बैठे रहने के बावजूद उसकी सुनवाई नहीं हुई।

इस बीच कार्रवाई की कहने पर दो-तीन बार तो उसे थाने से भगा दिया गया। इस दौरान करीब 3 बजे उसे किसी ग्रामीण से सूचना मिली कि उसकी पत्नी शिमला की उसके परिजनों ने हत्या कर शव को सौरती गांव में श्मशान में जला रहे हैं। तो उसने इसकी सूचना डीएसपी के साथ मीटिंग में बैठे थानाधिकारी को दी। इसके बाद आनन-फानन में पुलिस सक्रिय हुई। उसका कहना है अगर हरनावदा शाहजी पुलिस मामले को गंभीरता से लेती तो उसकी पत्नी की जान बच सकती थी। बारां एएसपी राजेश चौधरी ने बताया- रविंद्र कुमार भील पुत्र अमृतसिंह ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया- उसने झालावाड़ जिले के जावर थाना क्षेत्र के सोरती निवासी शिमला कुशवाह (20) पुत्री कजोड़मल से कोर्ट में एक साल पहले प्रेम विवाह किया था। इसके बाद शिमला उसके पास रह रही थी। गुरुवार को वह शिमला के साथ वह हरनावदा शाहजी स्थित सेंट्रल बैंक में पैसे निकलवाने आया था। तभी शिमला के घरवाले पहुंचे और शिमला से मारपीट कर अपने साथ ले गए। उसकी रिपोर्ट पर अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया।

पुलिस ने बरामद किया था अधजला शव

महिला के पति रविंद्र की सूचना पर एसएचओ जाब्ते के साथ बुधवार शाम सोरती गांव पहुंचे और वहां श्मशान घाट पर जलती हुई चिता से अधजले शव को निकाल कर कब्जे में ले लिया। इस बीच बारां एसपी राजकुमार चौधरी, झालावाड़ एसपी ऋचा तोमर, छबड़ा डीएसपी व अन्य पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। एफएसएल, डीएसटी व अन्य जांच टीमें भी मौके पर पहुंच गई। हरनावदा शाहजी थानाधिकारी गिरिराज गुर्जर ने बताया कि पुलिस महिला के अधजले शव को हरनावदा शाहजी लेकर आए है। जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद शव ससुराल पक्ष के परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

परिजनों ने दी थी जान से मारने की धमकी

मृतका के पति रविन्द्र ने बताया- उन दोनों के बीच करीब 5 साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पिछले साल 17 जुलाई 2023 को उन्होंने कोर्ट मैरिज कर ली, लेकिन इसके बारे में परिजनों को नहीं बताया। पिछले महीने युवती झालावाड़ कॉलेज में परीक्षा देने आई थी, तभी रविंद्र के साथ भाग गई। इस पर शिमला के परिजनों की रिपोर्ट पर कोतवाली थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इस पर पुलिस ने दोनों को डिटेन किया तो शिमला ने पति के साथ रहने की बात कही थी। इस दौरान भी परिजनों ने कहीं भी मिलने पर जान से मार देने की धमकी दी थी। इसके बाद से दोनों पति पत्नी जगह बदल-बदल कर रह रहे थे।

मृतका के पति के आरोपों की जांच की जाएगी

छबड़ा डीएसपी जयप्रकाश अटल ने कहा- घटनाक्रम को लेकर पुलिस गंभीरता से जांच में जुटी हुई है। चार संदिग्धों से पूछताछ जारी है। जल्द ही मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी कर मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। मृतका के पति ने जो आरोप लगाए हैं, उनकी सत्यता की जांच को लेकर उच्चाधिकारियों के निर्देशन में जांच की जाएगी।

राजस्थान के 300 बच्चे हर साल विदेश में फ्री पढ़ेंगे:200 स्टूडेंट्स को देश के नामी संस्थानों में भेजा जाएगा, गहलोत सरकार की योजना में बदलाव

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के नियमों में भी संशोधन किया है। इसके बाद विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत 300 स्टूडेंट्स को विदेश में और 200 स्टूडेंट्स को देश (भारत) के ही नामी संस्थानों में पढ़ने भेजा जाएगा। उपमुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री डॉ प्रेम बैरवा ने गुरुवार को कोटा ओपन यूनिवर्सिटी में बताया- विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना का रिव्यू करने के बाद सरकार ने इसमें आंशिक संशोधन करने का फैसला किया है। इसके तहत अब 300 स्टूडेंट्स को ही विदेश में पढ़ने भेजा जाएगा, जबकि 200 स्टूडेंट्स को देश के ही नामी संस्थान में पढ़ाया जाएगा। बैरवा ने कहा- भारत के शैक्षणिक संस्थान दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। यहां की टेक्निकल और हायर एजुकेशन सर्वश्रेष्ठ है। इसलिए सरकार ने इस योजना में संशोधन करने का फैसला किया है।

बंद नहीं होगी योजना

बैरवा ने कहा- पिछले कुछ दिनों से विवेकानंद स्कॉलरशिप योजना को बंद करने को लेकर कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन सरकार इस योजना को बंद नहीं करने जा रही है। बल्कि, हम इस स्कॉलरशिप योजना को और बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे हैं, ताकि गांव और ढाणी में रहने वाले जरूरतमंद स्टूडेंट्स भी अच्छी और बेहतर एजुकेशन फ्री में हासिल कर सकें। इस दौरान उन्होंने रैंकिंग नियम में संशोधन को लेकर अभिभावकों द्वारा किए जा रहे विरोध पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अगर किसी अभिभावक द्वारा तथ्यों के साथ मुझ तक इस तरह की शिकायत पहुंचाई जाएगी। इस पर भी जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कॉलेजों के लिए दो तरह के रैंकिंग मानक हैं। इसमें क्यूएस और टीएचई (टाइम्स हायर एजुकेशन) है। पिछले दिनों पैरंट्स ने आरोप लगाया था कि अफसरों ने अपने बच्चों को एडजस्ट करने के लिए योजना के नियम ही बदल दिए हैं। ताकि अफसरों के बच्चों को भी इस योजना का लाभ मिल सके। शिकायतकर्ता रोमेश गुप्ता ने आरोप लगाया था कि गरीब बच्चों का हक मारने के लिए रैंकिंग में भी बदलाव किया गया है। रोमेश ने कहा- योजना में अफसरों के बच्चों को एडजस्ट करने के लिए क्यूएस की जगह टाइम्स हायर एजुकेशन की रैंकिंग को लागू करने के आदेश जारी किए गए। इस टीएचई रैंकिंग में भी फेरबदल कर दिया गया। बहुत से छात्रों ने क्यूएस रैंकिंग के हिसाब से विदेश में पढ़ाई के लिए वहां की यूनिवर्सिटी में जनवरी में ही आवेदन कर दिए थे, लेकिन उच्च शिक्षा विभाग ने मई 2024 में अचानक क्यूएस की जगह टीएचई रैंकिंग लागू कर दी। ऐसे में छात्रों ने क्यूएस रैंकिंग के हिसाब से जिन यूनिवर्सिटी में आवेदन किया था, उनमें से कई तो टीएचई रैंकिंग की टॉप 150 में शामिल ही नहीं हैं। योजना की नई गाइडलाइन के अनुसार स्कॉलरशिप के लिए आवेदन करने के लिए टीएचई रैंकिंग के मुताबिक दुनिया के शीर्ष 150 विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्राप्त करना होगा।

100 फीट गहरे कुएं में मिले पति-पत्नी के शव

खेत जाने की कहकर निकले थे;लोकेशन ट्रैस की तो मोबाइल चप्पलें मिलीं

द पुलिस पोस्ट

आसींद-भीलवाड़ा। सुबह 10 बजे खेत पर जाने की कहकर घर से निकला नव विवाहित जोड़ा जब रात 8 बजे तक भी नहीं लौटा तो पुलिस को सूचना दी गई। फोन को सर्विलांस पर लेकर जब लोकेशन निकाली गई तो वह गांव से 1 किलोमीटर दूर आई। टीम वहां पहुंची तो 100 फीट गहरे कुएं में दोनों दिखाई दिए। उनकी मौत हो चुकी थी। मामला भीलवाड़ा जिले के आसींद कस्बे का है। घटना शंभूगढ़ थाना इलाके की सोडार पंचायत के गांव बख्तावरपुरा में गुरुवार को हुई। शंभूगढ़ थाना इंचार्ज रविंद्र सिंह ने बताया- गुरुवार रात 8 बजे परिजनों ने सूचना दी कि जयदेव गुर्जर (22) और उसकी पत्नी पार्वती (21) सुबह 10 बजे से लापता हैं। हमने गुमशुदगी दर्ज

कर ली। परिजनों ने बताया कि जयदेव को लगातार फोन कर रहे हैं। रिंग जा रही है, लेकिन वह उठा नहीं रहा है। पार्वती भी फोन नहीं उठा रही। फोन को सर्विलांस पर लिया। लोकेशन निकाली और मौके पर टीम को भेजा।

घर से 1 किलोमीटर दूर कुएं के पास मिली लोकेशन

फोन की लोकेशन गांव से 1 किलोमीटर दूर आ रही थी। टीम रात 11 बजे लोकेशन पर पहुंची तो वहां एक सूखा कुआं था। यह 100 फीट गहरा था। जयदेव का मोबाइल कुएं के पास ही पड़ा मिला। साथ ही परिजनों ने चप्पलें देखकर कहा कि यह पार्वती की हैं।

रात में गहरा अंधेरा था और बिजली भी नहीं थी। अंदेशा था कि जयदेव और पार्वती कुएं में गिरे होंगे। बख्तावरपुरा से जनरेटर मंगा कर रोशनी की व्यवस्था की गई। सूखे कुएं में तलाश किया तो दोनों के शव पड़े दिखाई दिए। रात ज्यादा होने के कारण शव नहीं निकाले जा सके।

शुक्रवार सुबह 6 बजे भीलवाड़ा और गुलाबपुरा (भीलवाड़ा) से एनडीआरएफ टीम मौके पर पहुंचीं। 2 घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 8 बजे दोनों के शव कुएं से निकाल लिए गए। शवों को आसींद सीएचसी की मॉच्युर्री में रखवाया गया। एक साथ दो लोगों की मौत की सूचना के बाद मॉच्युर्री के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई।

सरपंच बोला- परिजन को मौत के कारणों की जानकारी नहीं

सोडार सरपंच गोपाल लाल जाट ने बताया- मौत के कारणों के बारे में परिवार को कोई जानकारी नहीं है। बुधवार सुबह 10 बजे जयदेव और पार्वती सोडार-सरेड़ी रोड पर स्थित अपने खेत जाने की बात कहकर निकले थे। शाम को वे वापस नहीं लौटे तो परिजन को चिंता हुई। दोनों की तलाश की गई। काफी ढूंढने के बाद भी नहीं मिले तो रात 8 बजे पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद मॉच्युर्री पर गुलाबपुरा एसडीएम और तहसीलदार भी पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

तीन भाइयों में सबसे छोटा था, 5 महीने पहले किया था नाता विवाह

सरपंच गोपाल लाल जाट ने बताया- जयदेव और पार्वती की शादी 5 महीने पहले नाता विवाह में हुई थी। दोनों की यह दूसरी शादी थी। पहली शादी के बाद जयदेव को उसकी पत्नी ने छोड़ दिया था और पार्वती को उसके पति ने छोड़ दिया था। दोनों को पहली शादी और इस शादी के बाद कोई संतान नहीं थी। जयदेव 3 भाइयों में सबसे छोटा था। तीनों भाई अपने-अपने परिवार के साथ एक ही मकान में रहते थे। पिता किसान हैं। भाई खेती-बाड़ी करते है। परिजन ने बताया कि दंपती के बीच सब कुछ सामान्य था। कभी कोई झगड़ा या विवाद नहीं हुआ।

कलेक्टर ने किया डूब क्षेत्रों का निरीक्षण:छीतरिया ताल और तगावली रोड पर किया जल निकासी व्यवस्था का मुआयना

द पुलिस पोस्ट

धौलपुर। मानसून सीजन को देखते हुए जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने शहर में जल निकासी व्यवस्था को लेकर शहर के निचले जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर रेलवे स्टेशन के पास स्थित तगावली रोड पर रेलवे द्वारा निमार्णाधीन नाले के पास जल निकासी व्यवस्था और डूब क्षेत्रों का जायजा लेने पहुंचे। कलेक्टर ने आयुक्त नगर परिषद और अधिशासी अभियंता से जल निकासी व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने स्टेशन से लेकर पुरानी नैरोगेज लाइन के फाटक तक जलभराव क्षेत्र का पैदल निरीक्षण किया। स्टेशन के पास निरीक्षण करने के बाद जिला कलेक्टर ने छितरिया ताल का भी मौका मुआयना किया। उन्होंने छितरिया ताल पर किए जा रहे पाल निर्माण के बारे में संवेदक और नगर परिषद के अधिकारी से जानकारी ली। उन्होंने ताल के कैचमेंट एरिया पाल की ऊंचाई और कार्य की गुणवत्ता और मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी ली। जिला कलेक्टर ने ताल के भराव क्षेत्र से लवकुश वाटिका और मेडिकल कॉलेज के उद्यान हेतु जल प्रयोग की संभावना पर विचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल का उपयोग होने पर ताल का ओवरफ्लो कम किया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर के साथ अतिरिक्त जिला कलेक्टर ब्रह्मलाल जाट, आयुक्त नगर परिषद अशोक शर्मा, अधिशाशी अभियंता बृजमोहन सिंघल मौजूद रहे।

जैसलमेर नगरपरिषद ने बनाया कंट्रोल रूम:सफाई, स्ट्रीट लाइट व सीवरेज की समस्याओं का होगा समाधान

द पुलिस पोस्ट

जैसलमेर। जैसलमेर शहर के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए सभापति हरिवल्लभ कल्ला व आयुक्त लजपाल सिंह सोढ़ा ने नगर परिषद के कार्यालय में कमरा नम्बर 5 में कंट्रोल रूम में स्थापित किया है। इस कंट्रोल रूम में सफाई, स्ट्रीट लाइट व सीवरेज की समस्याओं को दर्ज कर उनका समाधान करवाया जाएगा। कंट्रोल रूम के नंबर 02992-252503 है। नगर परिषद आयुक्त लजपाल सिंह सोढ़ा ने बताया कि लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है ताकि आमजन को सफाई, स्ट्रीट लाइट व सीवरेज संबंधी समस्याओं का तुरंत समाधान मिल सके। नगर परिषद के कमरा नंबर पांच में बनाए गए कंट्रोल में कर्मचारियों को तैनात किया गया है। लोग 02992-252503 पर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। लोगों द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायतों का कर्मचारियों द्वारा लगातार फॉलोअप लिया जाएगा। गौरतलब है कि सीवरेज, स्ट्रीट लाइट व सफाई संबंधी शिकायतों को देखते हुए नगर परिषद ने कंट्रोल रूम बनाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही मानसून में भी कहीं सीवरेज चॉक होने के साथ ही सफाई की शिकायतें लगातार मिलेगी। जिसको देखते हुए आमजन को किसी भी तरह की परेशानी ना ही इसके लिए कंट्रोल रूम बनाया गया है ताकि एक ही नंबर पर लोग अपनी शिकायतें दर्ज करवा सकें और नगर परिषद के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। आयुक्त लजपाल सिंह सोढ़ा ने बताया कि अब लोग घर बैठे ही कंट्रोल रूम पर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं और उसका तुरंत समाधान किया जा सके। लोगों द्वारा दर्ज शिकायतों का फॉलोअप भी लिया जाएगा।

नाबालिग प्रेमी युगल ने लगाया फंदा, मौत:मामा के घर जाने की बात कहकर निकली थी युवती, रिश्ते में लगते थे चचरे भाई बहन

द पुलिस पोस्ट

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जिले के पारसोला थाना क्षेत्र में एक नाबालिग युवक और युवती का शव पेड़ से लटका मिला। मामला गुरुवार शाम 5 बजे का है। युवती अपने बुधवार को अपने मामा के यहां जाने की बात बोलकर निकली थी। एएसआई नाथूलाल ने बताया कि थाना क्षेत्र की उल्टी गंगा नदी किनारे पेड़ को गुरुवार शाम 4 बजे नाबालिग युवक और युवती का शव फंदे से लटका मिला। युवक के परिजनों ने पुलिस को बताया कि युवक और युवती नाबालिग दोनों काफी समय से एक दूसरे को जानते थे। दोनों के आपस में प्रेम प्रसंग भी चल रहा रहा था। दोनों ही रिश्ते में एक दूसरे के चचेरे भाई बहन है।

मामा के यहां जाने की बात बोलकर निकली थी

पुलिस ने बतायाः युवती बुधवार शाम को 10 किलोमीटर दूर मामा के घर जाने की बात बोलकर निकली थी। इसके अगले दिन गांव से थोड़ी दूरी पर उल्टी गंगा नदी किनारे जामुन के पेड़ पर दोनों का शव लटका हुआ मिला।

एक दूसरे से 800 मीटर दूर स्थित हैं घर

एएसआई नाथूलाल ने बताया कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों ही आपस में चचेरे भाई बहन लगते थे। ऐसे में दोनों की शादी होना संभव नहीं था। इसके चलते दोनों ने फंदा लगाकर जान दे दी। दोनों के घर एक गांव में हैं। जिनकी दूरी 800 मीटर है। पुलिस ने दोनों के मोबाइल जब्त कर शवों का पोस्टमॉर्टम कराया है। परिजनों से बातचीत में सामने आया है कि उनके प्रेम प्रसंग के बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं थी।

कनिष्ठ सहायक और 2 दलाल रिश्वत लेते गिरफ्तार:सहायता राशि की किश्त जारी करने के लिए मांगे 20 हजार रुपए

द पुलिस पोस्ट

बारां। बारां एसीबी की टीम ने गुरुवार शाम को कार्रवाई करते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कनिष्ठ सहायक और उसके दो दलालों को 10 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी कनिष्ठ सहायक और उसके दलालों ने यह रिश्वत परिवादी की बेटी के खाते में महिला अत्याचार के मामले में मिलने वाली सहायता राशि की किश्त जारी करने के एवज में मांगी थी। एसीबी डीजी डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की बारां इकाई को परिवादी की ओर से एक शिकायत मिली थी। जिसमें बताया कि उसकी बेटी की ओर से महिला थाने में महिला छेड़छाड़ का मामला दर्ज करवाया हुआ है। जिस पर महिला अत्याचार पीड़िता को मिलने वाली 1 लाख 50 हजार रुपए की राजकीय सहायता जारी करने के एवज में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग कार्यालय के कनिष्ठ सहायक अमरदीप मीणा उसके दलाल भरत वैष्णव, बनवारी लाल वैष्णव के माध्यम से प्रथम किश्त पर 10 हजार रुपए और द्वितीय किश्त पर 10 हजार रुपए सहित कुल 20 हजार रुपए रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी कोटा के डीआईजी कल्याणमल मीणा के सुपरविजन में एसीबी बारां डीएसपी प्रेमचंद के नेतृत्व में टीम ने गुरुवार रात को ट्रेप कार्रवाई कर आरोपी कनिष्ठ सहायक अमरदीप मीणा और उसके दलाल भरत वैष्णव, बनवारी लाल वैष्णव को परिवादी से 10 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपियों से पूछताछ और आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी जारी है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान किया जाएगा।

एईएन जेईएन को पीटने के मामले में पूर्व विधायक की जमानत कैंसिल:कोर्ट ने कहा 30 दिन में करना होगा सरेंडर

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। धौलपुर के बाड़ी स्थित डिस्कॉम ऑफिस में एईएन और जेईएन को पीटने के मामले में आरोपी पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा (कांग्रेस से तत्कालीन बाड़ी विधायक) की जमानत याचिका को आज राजस्थान हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया है। एईएन हर्षदापति की याचिका पर जस्टिस फरजंद अली की अदालत ने मलिंगा की जमानत को निरस्त करते हुए उन्हें 30 दिन में सरेंडर करने के लिए कहा है। हाईकोर्ट ने करीब 2 साल पहले गिर्राज सिंह मलिंगा को कोरोना के चलते जमानत दी थी। अब शुक्रवार को एईएन हर्षदापति की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने माना कि गिर्राज सिंह मलिंगा ने जमानत का मिस यूज किया। इसके चलते कोर्ट ने उनकी जमानत को निरस्त कर दिया। हर्षदापति की ओर से पैरवी करते हुए वकील एके जैन ने कहा- मलिंगा ने कोर्ट से कोरोना का बहाना बनाकर जमानत का लाभ लिया। जमानत मिलते ही उन्होंने जुलूस निकाला। मामले में पीड़ित और गवाहों को धमकाया। ऐसे में आरोपी की जमानत याचिका को निरस्त किया जाए।

नितिन गुलाटी, JEN

हर्षदापति, AEN

क्या है पूरा मामला ?

धौलपुर के बाड़ी विद्युत निगम कार्यालय में 28 मार्च 2022 को इंजीनियर एईएन हर्षदापति और खएठ नितिन गुलाटी के साथ मारपीट की घटना हुई थी। प्रकरण में एईएन हर्षदापति ने विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा और अन्य के खिलाफ 29 मार्च को नामजद मारपीट, राज्य कार्य में बाधा और एससी एसटी एक्ट में केस दर्ज कराया था। मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। घटना के बाद तत्कालीन धौलपुर एसपी शिवराज मीणा का भी तबादला कर दिया गया था। बिजली विभाग के इंजीनियर्स के साथ मारपीट होने के बाद निगम के कर्मचारियों में आक्रोश भड़का गया था। विधायक की गिरफ्तारी को लेकर विद्युत निगम के कर्मचारियों ने प्रदेश स्तर तक धरने प्रदर्शन भी किए थे। इसके बाद तत्कालीन विधायक राजेंद्र गुढ़ा को साथ लेकर मलिंगा ने सीएम हाउस पहुंचकर तत्कालीन मुख्यमंत्री गहलोत से मुलाकात की थी। उसके बाद सरेंडर किया था।

हाईकोर्ट ने ही दी थी जमानत

मलिंगा ने 11 मई को जयपुर के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव के सामने सरेंडर किया था। 12 मई की दोपहर को उन्हें एससी-एसटी कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने मलिंगा को 15 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया था। जिसके बाद मलिंगा ने हाई कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को हाईकोर्ट ने ही 17 मई 2022 को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था।

काँग्रेस बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विपरीत पट्टे जारी किए चार साल मे करोड़ो रुपए के विकास व कोटेशन बिल का फजीर्वाडा किया है

भजनलाल सरकार से अब उम्मीद है कारवाई होगी राज्य मंत्री ओटाराम देवासी से न्याय की उम्मीद है

शहर की जनता के लिए यह विपक्ष की तरह छुप बैठेंगे

शहर की जनता के लिए यह विपक्ष की तरह छुप बैठेंगे

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज नगर पालिका कांग्रेस बोर्ड द्वारा किए गए बड़े-बड़े घोटाले क्या अब उजागर होंगे या उन नेताओं द्वारा पूर्ण किए गए घोटाले वह बड़े-बड़े भ्रष्टाचार उनको दबा दिया जाएगा हमें उम्मीद पूरी है माननीय विधायक ओटाराम देवासी को राजस्थान सरकार में राज्य मंत्री का दर्जा मिला बड़ी खुशी की बात है इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं ओटाराम देवासी इनसे उम्मीद है कि अब यह घोटाले सभी उजागर होंगे जब से कांग्रेस का बोर्ड बना इन्होंने घोटाले करने में कभी पीछे नहीं रहे बड़े-बड़े टेंडर नहीं करके कोटेशन के बिल पर करवा दिया गया काम करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार किया और सरकारी जमीनों को लाखों रुपए में देकर लोगों से करोड़ों रुपए वसूल कर दिए जब से यह बोर्ड बना इन कार्यकाल में जितने भी पट्टे बने उन सभी पट्टो की जांच कमेटी बैठनी चाहिए वह उच्च अधिकारियों से जांच करवानी चाहिए क्योंकि यह भ्रष्टाचारी कभी नहीं चाहेंगे कि हमारी पोल उजागर करे इन्होंने शहर की जनता के पैसे लूटने में पीछे नहीं रहे जहां देखो वहां भ्रष्टाचार हुआ है इन्होंने विकास के नाम पर खाली दिखावा किया और करोड़ों रुपए निकल दिए शहर में नाडी में पट्टे बनाना नदी के अंदर पट्टे बनाना और सड़कों पर पट्टे जारी करना वह जितनी जमीन सरकारी पड़ी है उन सभी जमीनों पर पट्टे बनाकर देना अपने चेहते वह कांग्रेसी कार्यकताओं को 91 रेगुलर कर पट्टे जारी करना नाकोडा नगर के 69क में ज्यादातर भ्रष्टाचार कर पट्टे जारी किया इन्होंने कच्ची बस्ती के गरीबों को पट्टे अमीरों को दे दिए और नदी में पट्टे जो नदी मे माननीय सुप्रीम कोर्ट आदेश अनुसार नदी नाडी और नालों में पट्टे नहीं होने चाहिए और शिवगंज नगर पालिका ने यह सब काम कर दिया कौन माने माननीय सुप्रीम कोर्ट का आदेश यहां तो नेता खुद ही सुप्रीम कोर्ट बनकर बैठे थे अधिकारियों पर दबाव बनाकर व पालिका अध्यक्ष पर अधिकारियों पर उन नेताओं को क्या जाएगा क्योंकि भ्रष्टाचार करना करने वाले करके चले गए और करने वाले अब जेल जाएँगे इन्होंने आखरियां भट्टे पर 91 रेगुलर कर पट्टे जारी किए जो नियमों के विपरीत किया जिस प्रार्थी के नाम पर पट्टे जारी किए गए उन प्राथी को पूर्व में भी दो-चार मकान बने हुए और एक प्राथी को पट्टा 91 रेगुलर कर दे दिया उस प्रार्थी के शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में या सिरोही जिले में किसी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं है मूल निवासी भी नही है फिर भी इन लोगों ने बड़ा धन लेकर उसको करीब 6000 फीट से अधिक का पट्टा जारी कर दिया एक अपने चाहता कांग्रेसी कार्यकर्ता को 6000 से अधिक का पट्टा जारी किया इस प्रार्थी के पूर्व में भी मकान जमीन सहित अन्य प्रॉपर्टी है फिर भी उनको पट्टे जारी कर दिए सरकारी जमीनों को इन्होंने छोड़ा ही नहीं है नालों पर बड़े-बड़े काम्प्लैक्स बना दिए और ऐसे ही तहसील कार्यालय के पीछे एक पुरानी नाडी जो तीन बीघा से अधिक भूमि थी उस भूमि पर करीब 30 से 40 पट्टे जारी कर दिए सब में बड़ी रकम लेकर इन्होंने पट्टे जारी किए वैसे ही अपने चाहतों के आवासीय क्षेत्र में वाणिज्य काम्प्लैक्स बना दिए गए इनको रोकने वाला कोई है ही नहीं था क्योंकि विपक्ष कमजोर था विपक्ष ने कभी इनके विरुद्ध आवाज उठाई नहीं क्या पता विपक्ष भी डरता था इनसे विपक्ष के फोटो जरूर आते थे पूर्व विधायक वह पालिका अध्यक्ष के साथ इसलिए ही पालिका अध्यक्ष व पालिका प्रशासन के विरुद्ध कभी बोलते नहीं देखा जब जहां भी देखो अगर विपक्ष कमजोर होगा तो सत्ताधारी लूटने में कभी पीछे नहीं रहेंगे इन्होंने जवाई नदी के पास खसरा नंबर 131 में इतना बड़ा घोटाला किया सरकारी जमीन पर पट्टे जारी कर दिए नदी से 100 फीट बाद पट्टे जारी होने चाहिए पर इन्होंने नदी पर पट्टे जारी कर दिए कोन जांच करेगा उनके विरुद्ध कार्यवाही कौन करेगा ऐसे ही शिवगंज है नए बस स्टैंड पर एक आलीशान होटल के पास ट्रस्ट की जमीन का बड़ा पट्टा एक धन्ना सेट को जारी कर दिया जो नहीं होना चाहिए था नियमों के विपरीत पट्टा जारी हुआ स्टेट ग्राउंड का पता वाणिज्य में जारी कर दिया इन्होंने सभी नियमों को तोड़कर धन लेकर यह पट्टे जारी किए है ऐसे ही स्टेडियम के पास एक बड़ी खार्चा भूमि जो कॉलोनी का योजना का भुखंड था उसको खार्चा भूमि में बेचकर लाखों रुपए वसूल करने वाले यहाँ के बड़े नेता वह पार्षद की मिली भक्ति से ही काम हुआ है सुभाष नगर आवासीय क्षेत्र में बड़े-बड़े वाणिज्य काम्प्लैक्स बना रहे हैं पर पालिका प्रशासन इनको रुकवाना नहीं चाहते छिपावास के नजदीक हिंदू सनातन धर्म की जमीन एक जैन ने अपने नाम पर कर-के आगे लोगों को बेच दी जो नहीं होने चाहिए था वह भी लोगों ने कर दिया तहसील कार्यालय के बहार अस्थाई बड़े-बड़े कब्जे हों गहे प्रशासन के बडे अधिकारी वहां से रोजाना 8 से 10 बार निकलते है और इनको यह अतिक्रमण नजर नहीं आते अगर कोई गरीब कहीं पर पेट पालने के लिए एक लोरी लगवा दे तो उसे तुरंत हटाया जाता है क्योंकि वह इनका पैसा नहीं देता है पालिका प्रशासन में जो कर्मचारी कई वर्षों से जमकर बैठे हैं इन सब का स्थानांतरण होना चाहिए वह इनको दूसरी नगर पालिका में भेजना चाहिए तब इनको पता चलेगा कि भ्रष्टाचार कैसा होता है क्योंकि इन्होंने एक ही काम सीखा है पैसा लाकर दो कुछ भी काम करवा दो इसलिए उल्टे सीधे काम बहुत किया पालिका के स्टोर शाखा में बिना टेंडर प्रक्रिया किया कोटेशन बिल पर करोड़ों रुपए का घोटाला हुआ है इन सभी कोटशन के टेंडर की जांच उच्च अधिकारी से करवानी चाहिए वह नेताओं को स्पेशल इसमें ध्यान देकर पालिका का धन आम जनता का धन लूटने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करनी चाहिए शहर में बगीचे बनाने के नाम पर करोड़ों रुपए लूटे लाखों रुपए खर्च करके करोड़ों वसूल किया इन लोगों ने नेहरू नगर पार्क में एक ट्रेन लगभग करीब करोड रुपए के करीब बिल बनाया जो ट्रेन 5 लाख की थी उसका 15 लाख उठाया वह बगीचा तैयार करने में लाखों रुपए फालतू के खर्च किए जो बड़ा भ्रष्टाचारी है शहर में बनी सीमेंट की सड़के वह डामर की सड़के भ्रष्टाचार के भेट चढ़ गए हैं क्योंकि बिना गुणवत्ता से कोई भी काम होगा तो वह घटिया क्वालिटी का होगा इन सभी विकास के नाम पर किए गए डामर सड़क सीमेंट सड़क और कोई भी ऊपर दीवार बनी बगीचे तैयार किए उन सभी की क्वालिटी कंट्रोल बोर्ड से जांच करवानी चाहिए तब जाकर पता चलेगा कि इन लोगों ने कितना भ्रष्टाचार किया कॉलेज के सामने एक निजी पार्टी को जो जमीन खार्चा भूमि में नहीं देनी चाहिए थी वह भी उनको जारी कर दी कुआँ का रेडिएशन को देखते हुए उसका साइड बैक छोड़ना आवश्यक होता है पर उन्होंने कुएं का रेडिएशन भी नहीं माना और पट्टा जारी कर दिया ऐसे ही उसी के पीछे मोबाइल टावर लगे हुए थे वह पास की कॉलोनी महावीर कॉलोनी कारण नगर का मिलान सड़क को बंद करके वहां का दो बड़े-बड़े पट्टे जारी कर दिए जो नियमों के विपरीत जारी हुए कौन जांच करेगा अगर अब सरकार बनी है यह सरकार जांच करेगी तो इन भ्रष्टाचारियों की पॉल उजागर हो जाएगी कब्रिस्तान में वह अन्य धार्मिक जगह पर खर्च किए जितना काम हुआ नहीं उससे ज्यादा पैसा उठ गया सरकारी दीवारों पर पेंटिंग के नाम पर करोड़ों रुपए उठे जो टेंडर प्रक्रिया शिवगंज नगर पालिका में ?13 स्क्वायर फीट के हिसाब से तय हुआ था पर इन्होंने कोटेशन के बिल पर ?50 से अधिक प्रति फीट के हिसाब से पेमेंट जारी कर दिया क्योंकि सरकारी पैसा इनका नहीं होता यह आम जनता का होता है और आम जनता को डूबने वालों के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए पालिका में जितने भी विकास के नाम पर खर्च किये उन सभी की जांच होनी चाहिए वह जितने भी पट्टे बनाए इन लोगों ने स्टेट ग्राउंड कच्ची बस्ती 91 रेगुलराइज नदियों नाडिओ में पट्टे वह अन्य किसी भी योजना में पट्टे जारी किया उन सभी की जांच उच्च स्तरीय होनी चाहिए वह जो नियमों के विरुद्ध पट्टे जारी हुए उन सभी को खारिज करना चाहिए क्योंकि ऐसे ही पालड़ी जोड़ रोड पर एक बड़ी कॉलोनी जो करीब 32 बीघा से अधिक भूमि थी जिसका नाम आर्यावर्त कोलोनी उसमें 9% ई डब्ल्यू एस एल आई जी के भूखंड बड़े सेठ को दे दिए यह सभी भूखंड गरीबों के लिए आरक्षित होते हैं वह लॉटरी प्रक्रिया के हिसाब से देना पड़ता है और इन्होंने किसी भी प्रकार का कोई हिसाब नहीं रखा नहीं गरीबों की लॉटरी प्रक्रिया को पूरी करके सिर्फ धन लेकर इन्होंने उस पार्टी को सभी पट्टे जारी कर दिए जो राजस्थान सरकार की टाउन पॉलिसी के विपरीत है और धन के बल के अलावा सुनने वालों के बीच काई भी होनी चाहिए शिवगंज शहर में बड़ी-बड़ी कॉलोनी जो भी बची है उन सभी की जांच करवा कर इस सभी में ईडब्ल्यूएस एल आई जी के भूखंड गरीबों को न देकर अमीरों को बेचे गए भूखंड की जांच करवा कर वापस गरीबों के लिए लॉटरी निकाल कर गरीबों को देना चाहिए क्योंकि गरीब इनको धन नहीं देते और अमीर लोग बड़ी रकम देकर फ्री फोकट के पट्टे ले जाते हैं एक कोलोनी शिवगंज से कामबेश्वर रोड पर बड़ी कॉलोनी जो मुख्यमंत्री आवास योजना के नाम पर बन रही है वह मास्टर प्लान रिंग रोड पर बन रही है क्योंकि नेताओं ने वह अधिकारी ने मिलकर मास्टर प्लान को कागज से दूर करके इस कॉलोनी का पट्टा जारी कर दिया कि इसमें बड़ी रकम मिली थी लोगों को कामबेश्वरजी रोड पर एक बड़ा आलीशान रिसोर्ट बन रहा है उसका नहीं तो कन्वर्जन है और नहीं किसी प्रकार की कोई प्रक्रिया हुई है वह आनंद फाइन में अधिकारियों और नेताओं को धन देकर बड़ी बिल्डिंग बना दि उसके विरुद्ध कार्यवाही करने वाला वह प्रतिपक्ष चुप होने से यह लोग फायदा उठाते हैं ऐसे ही खेजडिया सड़क पर एक दो कॉलोनी बन रही है जो एक बड़ी फैक्ट्री का काम चालू है उसके आसपास होकर या उसके अंदर होकर मास्टर प्लान रिक रोड 100 फीट चौड़ी सड़क निकल रही है इन सैठो ने उस सड़क कोही खा लिया सड़क को बंद करके बाजार में बेच दिया क्योंकि उनके विरुद्ध कार्यवाही भी होगी नहीं और उस सड़क पर अपना निर्माण कर दिया क्योंकि इनका निर्माण हटेगा नहीं आगे पीछे इस सड़क पर लोगों ने कॉलोनी के पास जमीन छोड़ी हुई है पर इन दो-तीन लोगो ने इस सड़क पर ही कब्जा कर दिया शिवगंज शहर से चांदाना रोड पर भी यही उल्टे सीधे काम हो रहा है सिर्फ विकास नहीं भ्रष्टाचार हो रहा है चांदाना के अंदर बड़े-बड़े वाणिज्य भवन बने है नहीं तो वह भूमि कन्वशन हुई है और नहीं उसका पट्टा जारी हुआ है फिर भी निर्माण हो गया इससे साफ जाहिर होता है शिवगंज नगर पालिका में अतिक्रमण निरीक्षक वह बड़े अधिकारी वह पालिका अध्यक्ष वह शहर के बड़े नेता मिले हुए हैं इन नेताओं ने दबाव में आकर उल्टे सीधे काम खूब करवाई प्रशासन को अब जवाब देना भारी पड़ रहा है क्योंकि नेताजी तो हार कल चले गए जनता अब इन सभी की पोल उजागर हो रही है ऐसे ही जहां पर नेताजी निवास करते हैं वहां पर लोगों ने सरकारी जमीन पर कब्जा कर दिया तीन-चार अखबार में आने के बाद भी उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं हुई इसका मतलब यही लगता है कि विपक्ष चुप बैठा है कुछ भी बोलने में आगे नहीं आ रहा है शहर रिवर फ्रंट के पीछे नदी के अंदर लोग मकान बनाकर रह रहे है नदी के किनारे पर भी अतिक्रमण कर लोग निवास कर रहे हैं इन लोगों के पट्टे जारी कर दिए पालिका ने क्योंकि पालिका में बैठे अधिकारी व कर्मचारी मौके पर जाकर देखकर मोका देखा होता तो इनको पता होता की जमीन कहां पर आई हुई है ऑफिस में बैठे-बैठे ही धन लेकर उल्टे सीधे काम कर दिए वह फाइल को क्लियर कर दी क्योंकि जिसको पट्टा उठना पड़ता है वह उल्टे सीधे काम करवा जाता है क्योंकि पालिका में तकनीकी अधिकारी की लापरवाही कहो या पट्टा जारी करने वाले बाबूजी जो लोगों से सीधी सेटिंग करके उल्टे सीधे काम कर रहे हैं स्टेट ग्राउंड के पट्टे वह खार्चा भूमि की जमीन है इसमें बड़ी लेनदेन की गई है लोगों ने वह फर्जी काम बहुत हुआ है इन सभी की जांच अब नेताजी को करवानी चाहिए तब जाकर पता चलेगा कि आज के बाद भ्रष्टाचार करने वाला कोई आगे नहीं आएगा इसलिए शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में जितने भी अवैध काम हुए उन सभी की लिस्ट मांगे व इनके विरुद्ध उच्च प्रशासन अधिकारी को बुलाकर कार्रवाई करावे क्योंकि अगर भ्रष्टाचारियों की जांच खुद भ्रष्टाचारी करेंगे तो वह जांच कैसी होगी इसलिए भ्रष्टाचारियों की जांच इमानदारो से करवाएंगे तब जाकर उनकी पोल पूजा करोगी शिवगंज नगर पालिका की जनता क्या कहती है शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में जितने भी अवैध निर्माण हुए सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हुआ अवैध विकास किया घटिया क्वालिटी की सामग्री खरीद करके सड़के बनाई दीवारे खड़ी की वह घटिया क्वालिटी की सामग्री क्रय की उन सभी की जांच उच्च अधिकारियों से करवानी चाहिए वह जो नगर पालिका क्षेत्र में नदी नालों नाडीओ के अंदर पट्टे जारी हुए 91 रेगुलराइज जो पट्टे जारी किया उन सभी को खारिज करना चाहिए वह ईडब्ल्यूएस एल आई जी के भूखंड गरीबों के नाम से आवंटन करना चाहिए नहीं कि पैसे वालों को आनंन फानन भाव में देकर गरीबों के पेट पर लात मारने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करनी चाहिए तब जाकर शिवगंज की जनता को पता चलेगा कि अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है वह यहां के नेताजी ईमानदार है नहीं तो पूर्व में जैसा हुआ वैसा करूंगा तो कोई फर्क नहीं पड़ने वाला जनता को तो भुगतना है जैसाराम राम माली अध्यक्ष जवाई पर्यावरण एवं वन विकास समिति शिवगंज शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में वह नगर पालिका कोटेशन के नाम पर फर्जी टेंडर हुए वह खाली कोटेशन पर भी लूट उन सभी कार्यो की जांच करवानी चाहिए पालिका कोष से खर्च करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए वह जितने भी पालिका में नियमों के विपरीत टेंडर प्रक्रिया की यहां कोटेशन पर बिल स्वीकृत किए जैसे की पानी की लाइन वह मोटर टंकी फिट कि और गली हर घर पानी की लाइन का करोड़ों रुपए खर्च कर बिल उठाया गया नहीं तो टेंडर प्रक्रिया की नही वर्क आदेश जारी हुआ फिर भी लूट के करोड रुपए के इन सभी की जांच करवा कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करनी चाहिए भरत कुमार समाजसेवी एवं व्यापारी शिवगंज शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में तहसील रोड पालड़ी जोड़ रोड में हाईवे पर वह पुराने हाईवे पर कामबेश्वर रोड पर कॉलेज रोड पर बड़गांव रोड पर वह चांदाना रोड पर जितने भी सरकारी जमीन पर पट्टे जारी किए उनसे भी पट्टो की जांच उच्च अधिकारियों से करवानी चाहिए वह नगर पालिका क्षेत्र में 91 रेगुलराइज पट्टे स्टेट ग्राउंड कच्ची बस्ती सहित 69 क के पट्टे वह अन्य पट्टो की जांच उच्च स्तरीय अधिकारियों से करवा कर जो फर्जी पट्टे हैं उन सभी को खारिज करना चाहिए तब जाकर आम जनता को न्याय मिलेगा **कमलसिंह चौहान समाजसेवी एवं उद्यमी शिवगंज**

जिला कलक्टर श्री नमित मेहता ने गंगापुर की खैमाणा ग्राम पंचायत में आयोजित रात्रि चौपाल में आमजन की सुनी परिवेदनाएं

अधिकारियों को मौके पर ही दिए परिवेदनाओं पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए निस्तारण के निर्देश

द पुलिस पोस्ट

विधायक श्री लादूलाल पितलिया, जिला प्रमुख श्रीमती बरजी देवी समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि रहें मौजूद

भीलवाड़ा, 05 जुलाई। जिला कलक्टर श्री नमित मेहता ने शुक्रवार को गंगापुर उपखंड की ग्राम पंचायत खैमाणा में आयोजित रात्रि चौपाल में आमजन के अभाव अभियोग सुने। इस दौरान सहाड़ा विधायक श्री लादूलाल पितलिया, जिला प्रमुख श्रीमती बरजी देवी, रायपुर प्रधान शिवसिंह, सरपंच बद्रीलाल जाट, सीईओ जिला परिषद श्री शिवपाल जाट, एसडीएम श्री दिव्यराज सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला तथा ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें। जिला कलक्टर को स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा आमजन ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। जिसके समाधान के लिए जिला कलक्टर ने संबंधित विभाग अधिकारियों को निर्देशित किया। श्मशान घाट पर अतिक्रमण की शिकायत पर जिला कलक्टर ने तहसीलदार को प्रकरण की जांच कर शीघ्र कारवाई के निर्देश दिए। आमजन ने उपस्वास्थ्य केंद्र खैमाणा को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने संबंधी प्रकरण जिला कलक्टर के समक्ष रखा। जिसके परीक्षण के संबंध में सीएमएचओ डॉ सीपी गोस्वामी को जिला कलक्टर ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही उपस्वास्थ्य केंद्र की मरम्मत करवाने की आमजन की परिवेदना पर जिला कलक्टर ने तत्काल कारवाई के निर्देश दिए। सड़क सुदृढ़ीकरण संबंधी परिवेदना पर जिला कलक्टर ने ठेकेदार से समयपूर्वक कार्यपूर्ण कराने के लिए पीडब्ल्यूडी एक्सईएन नरेंद्र चौधरी को निर्देश दिए। स्थानीय जनप्रतिनिधि ने विभिन्न सड़कों के डामरीकरण तथा सुदृढ़ीकरण के कार्य जिला कलक्टर के समक्ष रखे, इस संबंध में जिला कलक्टर ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने पशु चिकित्सालय पर अतिक्रमण होने संबंधी परिवेदना पर तत्काल कारवाई के निर्देश दिए। स्थानीय विद्यालय की चारदीवारी की ऊंचाई बढ़ाने तथा उसमे डीएमएफटी के तहत किचन के प्रस्ताव सीडीईओ श्रीमती अरुणा गारू को भिजवाने के निर्देश दिए। क्षेत्र में समुचित पेयजल आपूर्ति के लिए पानी की टंकी की मांग पर जिला कलक्टर ने पीएचईडी के अधिकारी को जांच कर प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए। विद्युत सप्लाई के संबंध में विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। रामा क्षेत्र में अवैध माइनिंग की शिकायत पर एसएचओ को प्रकरण की जांच कर तत्काल कारवाई के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द जनता की समस्याओं का निराकरण हो एवं उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ मिले।

उपखंड कार्यालय तथा तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण

इससे पूर्व जिला कलक्टर ने उपखंड कार्यालय गंगापुर, तहसील कार्यालय की विभिन्न शाखाओं तथा पंचायत समिति का भी निरीक्षण किया। जिला कलक्टर ने तहसील कार्यालय में आमजन के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था करने, तथा तहसील कार्यालय परिसर में खेल मैदान के विकास के संबंध में निर्देश दिए।

राम तेरी गंगा मैली हो गई पालिका का पाप धोते धोते

शहर के नजदीक जवाई नदी के अंदर मरी हुई गायों को फैंका जा रहा है

पालिका प्रशासन सफाई के नाम पर लाखों रुपए उठाते है फिर भी सफाई नही हो रही है जवाई नदी

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज नगर पालिका प्रशासन ने अब आम लोगों की जान खतरे में डालने की कोशिश की है एक कहावत हो रही है सिद्द राम तेरी गंगा मैली हो गई पापियों का पाप धोते-धोते ऐसा ही पाप अब जवाई नदी जिसका पानी शिवगंज सुमेरपुर दोनों नगर व उसके आसपास ग्रामीण क्षेत्रों वाले भी पानी पीते पर यहाँ के अधिकारी ने हद ही पार कर दी मरी हुई गायों को नदी के बीच में डालकर खुला छोड़ दिया कि वहां पर कुत्ते उनको नोचकर उसकी गंदगी वही खत्म हो जाए अब इसकी हालत ऐसी हो गई है की देखो तो अलग बात है और जवाई नदी की हालत एक ऐसी हो गई जिसका कोई मालिक ना हो पर्यावरण विभाग द्वारा बार-बार निर्देश दिया जाता है कि जवाई नदी को साफ रखो और इस नदी में इतनी गंदगी पड़ी है की सफाई कभी हुई नहीं हो अगर प्रशासन खुद आकर चेक करें तो उनको पता चले की जवाई नदी की हालत क्या है अधिकारी तो खाली ऊपर से आदेश कर देते हैं की नदी की हालत कैसी है और यहां के भ्रष्टाचारी अधिकारी खाली एक लाइन में लिखकर भेज देते हैं की नदी की सफाई हमने करवा दिए कितने लॉख रुपए खर्च हुए वह भ्रष्टाचार कर अपना जेब भरकर खुश हो जाते जवाई नदी के अंदर एक घंटा भी जेसीबी नहीं चलती और हजारों घंटा का पैसा उठा देते हैं और यह लोग आपस में बंटरबाट कर देते हैं और बारिश का वक्त है इसकी गंदगी नदी के अंदर जाती है उसका पानी शहर की आम जनता पीती है तो समझ लो की कितनी बीमारी फलेगी और कितने लोग मरेंगे ऐसे ही हॉस्पिटल में बीमारियों की लाइन लगी हुई है इसकी जांच होनी चाहिए वह मरी हुई गायों को जल्दी उठाकर इनका अंतिम संस्कार करना चाहिए नहीं की गौशाला की तरह खड्डो खोदकर नदी के अंदर डाल देंगे जिसका पानी अंदर जाने से बीमारियां पहले की तरह और लोगों का जीवन खतरे में आएगा क्यों नहीं करवाई सफाई प्रशासन उनके विरुद्ध समझना चाहिए सबको जवाई नदी के अंदर पड़ी गंदगी इन अधिकारियों के जेब से खर्च करवाकर सफाई करवानी चाहिए क्योंकि सरकारी खचॉ तो यह लोग खा जाते हैं अब बारिश का वक्त है और अगर जवाई नदी चली तो यह गंदा कचरा कहां तक जाएगा और कितने लोग मरेंगे आप सभी देख लेना और इसका जवाबदारी कौन होगा क्योंकि अब जनता को जागना पड़ेगा तभी जाकर जमीन नदी का विकास और समझने का सही होगा अन्यथा जिंदगी में सैकड़ो लोग मर जाएंगे क्योंकि प्रशासन ने तो जवाई नदी के किनारे पर रिवर फ्रंट बनाकर करोड रुपए कमीशन का गए नेताओं ने अपनी भागीदारी करके अपना प्रतिशत फिक्स रखें लाखों रुपए अलग कर लिए क्योंकि यह रिवर फ्रंट कभी बहकर चला जाएगा इसकी आएगा कोई पता नहीं है क्योंकि ठेकेदार इनका आदमी है पालिका प्रशासन बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहा है अब तुरंत प्रशासन को जागना चाहिए जवाई नदी की सफाई व रिवर फ्रंट का रखरखाव करना चाहिए और नदी के किनारे पर जितने भी अतिक्रमण हुए उन्हें तुरंत हटाना चाहिए

राजमाताजी बायोसा धर्मशाला की भूमि आरक्षित की माँग

पार्षदो व आम जनता ने अधिकारी व तहसीलदार से पत्रावली को निरस्त की माँग की

शान्ति नगर के पास मे पडी खाली बिलानाम भूमि पर राजमाताजी का कब्जा है कई सालो से

दलालों व नगरपालिका अधिकारी ने मिलकर पट्टा बनाकर देने की तैयारी मे है

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के ग्राम बड़गांव के खसरा संख्या 62/3 की 7 हजार वर्ग फीट जमीन की पत्रावली पालिका में पेश होने पर आपत्ती लगाई गई जिससे यह पट्टा की पत्रावली निरस्त करवाने की मांग नगर पालिका पार्षद सीमा देवी माली कोकिला अग्रवाल भारत कुमार परिहार पूर्व पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल जैसाराम माली राजू भाई चौधरी रुपाराम देवासी मूलाराम गणेशाराम कानराम राजकुमार रमेश कुमार प्रकाश कुमार सहित सैकड़ो स्थानीय निवासियों ने अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका अध्यक्ष व तहसीलदार महोदय को ज्ञापन प्रस्तुत कर इस पत्रावली को निरस्त करवा कर यह भूमि राजमाता जी मंदिर के धर्मशाला के लिए आरक्षित की जाए नगर पालिका के ग्राम बड़गांव कि यह भूमि देवासी समाज के पीछे खाली हाउस के नाम से पड़ी थी वह राजस्व में यह भूमि बिलानाम में यह भूमि के पास की कॉलोनी पूर्व में जैन परिवार द्वारा काटी गई थी पर इस कॉलोनी का मालिक जयंतीलाल माली व अन्य परिवार है जिन्होंने लोगों को गुमराह करके इस जमीन को अपने नाम की बताकर इसको लाखों रुपए में बेच दी जिनकी भूमि नहीं उसने बेच दी वह पालिका के अधिकारियों शहर के कुछ दलालों वह कुछ अधिकारियों ने मिलकर इसका सौदा भी करवा दिया पर शहर के जागरूक लोगों ने इस जमीन पर कब्जा करने नहीं दिया क्योंकि इस पर पूर्व में एक जैन परिवार ने कब्जा कर रखा था पर यह भूमि राजमाताजी बायोसा की होने से वह परिवार कभी नहीं आया वह इसके पास में 28 सौ फीट जमीन भी राजमाताजी बायोसा की थी पर

पालिका के कुछ भ्रष्टाचारियों ने इसका पट्टा बनाकर दे दिया वह भी खारिज की कार्रवाई माननीय उच्च न्यायालय में विचाराधीन चल रही है क्योंकि शिवगंज में दलाल सक्रिय है जहां भी खाली जमीन देखी वहां पर कब्जा करवाने वह आम लोगों को फसाने का कार्य करते हैं वह इस भूमि में भी यही काम किया क्योंकि इस खातेदार की भूमि पास में है जो पूर्व में कॉलोनी काटी जाती थी उसका मोटेशन उनके नाम का ही रहता था इसने मोटेशन में नाम का फायदा उठाकर पास में पड़ी जमीन अपनी बताकर कब्जा करने की कोशिश की और इसकी पत्रावली नगर पालिका में लगाकर अधिकारियों को धन देकर पत्रावली बनाई भी और दूसरी जमीन के पट्टा बनाने के लिए दलालों को आगे कर दिया कि लोगों को पता नहीं चल पर शहर में जागरूक लोग खूब इन्होंने जब इस पत्रावली को अखबार में प्रकाशित की तो पता चला वह पालिका के कुछ कर्मचारियों ने इसकी जानकारी दी तब पता चला कि यह भूमि राजमाताजी बायोसा की है और इसका पट्टा यह दलाल बनाकर आगे

लाखों रुपए में बेच देंगे जिसका दोनों मिलकर लाखों रुपए आपस में बंटरबाट कर लेंगे जल्दी ही ऐसे पत्रावली को निरस्त करके यह भूमि राजमाताजी बायोसा के लिए आरक्षित करनी चाहिए इस जमीन संबंधित द पुलिस पोस्ट में पहले भी चार खबर प्रकाशित हो चुकी है और यहां का भ्रष्टाचारी प्रशासन कुछ कार्रवाई नहीं कर रहा है सिर्फ अपना धन लेकर आगे फजीर्वाड़ा करने में लगे हुए पर माननीय उच्च न्यायालय उपर विराजे हुए हैं उच्च न्यायालय का डंडा इन पर जरुर पड़ेगा क्योंकि विभाग के डंडा तो पैसों से चुप हो जाता है पर न्यायालय का डंडा कभी चुप नहीं होता फिर उसके ऊपर मां राजमाता जी बायोसा का डंडा इनके सर पर हमेशा पड़ा रहेगा तब यह पता चलेगा कि हम पागल कैसे हो गए दलाल वह बेचने वाले व खरीदने वाले तीनों पागल होकर घूमेंगे राजमाताजी बायोसा के खिलाफत करने वाले कभी खुशी नहीं रह सकते इसलिए इन्होंने दलाल अल्पसंख्यक को पटककर उल्टा काम करवाने के लिए आगे किया है जल्दी ही तहसीलदार महादेव इस पत्रावली को निरस्त करवा कर यह भूमि राजमाताजी बायोसा के नाम की आरक्षित की जाए

सैन समाज के गणमान्यों ने निमार्णाधीन छात्रावास का किया मोका मुहायना

सैन समाज की छात्रावास बनने से समाज का मान सम्मान बढ़ेगा: जगदीश सैन

द पुलिस पोस्ट

सिरोही, मारु सैन समाज संस्थान सिरोही के नेतृत्व मे निमार्णाधीन मारु सैन समाज संस्थान का आज सैन समाज के वरिष्ठ गणमान्यों समाजबंधुओं ने निर्माण कार्य का मोका मुहायना किया लैटबाथ अटेच 36 कमरों एवं निमार्णाधीन प्लेटफार्म रेम्प का अवलोकन किया गया और जरुरी दिशानिर्देश के साथ मुख्य गेट के फाटक को लेकर विचार विमर्श किया गया निमार्णाधीन छात्रावास का मोका मुहायना करने संस्थान पदाधिकारी सेवानिवृत्त वरिष्ठ इंजिनियर श्री फूलाराम जी सैन सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार श्री देवाराम जी सैन सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार श्री किसनलाल जी सैन संस्थान के अध्यक्ष श्री अशोक जी सैन सेवानिवृत्त सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री मदनलाल जी सैन संस्थान पदाधिकारी श्री भरत जी सैन फालना सैन समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी श्री अशोक जी सैन श्री हिरालाल जी सैन श्री जवानमल जी सैन खोपोली श्री मुकेश जी सैन अहमदाबाद श्री झूठा रामजी सैन भीनमाल श्री सरेमलजी सैन अहमदाबाद आदि उपस्थित रहे।

जगदीश सैन को जानकारी दी राज्य मंत्री ने

मंत्री देवासी को प्रेषित दस्तावेज संम्बन्धित विभागों को कार्यवाही हेतु भेजा

द पुलिस पोस्ट

सिरोही, गत सप्ताह जयपुर स्थित सचिवालय में क्षेत्रीय विधायक एवं पंचायतीराज मंत्री आदरणीय श्री ओटाराम जी देवासी से उनके चैंबर में मुलाकात कर विभिन्न घोटालों फजीर्वाड़े व अतिक्रमण से संबंधित दस्तावेज प्रेषित कर उचित कार्यवाही अमल में लाने का निवेदन किया गया था वहीं सहकारिता मंत्री सहकारिता रजिस्ट्रार एवं युडीएच मंत्री को भी घोटालों फजीर्वाड़े के दस्तावेज सौंपे गए थे सिरोही शहर में स्थित खसरा नंबर 613/2 सरकारी बिलानाम

राजस्थान सरकार
कार्यालय राज्यमंत्री, ग्रामीण विकास, पंचायती राज विभाग, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग

क्रमांक रा.मं./ओ.डी./2024/1178 जयपुर, दिनांक 27/6/24

प्रिय श्री जगदीश सैन पुत्र श्री छोगालाल सैन
निवासी छात्रावास के पास,
सिरोही

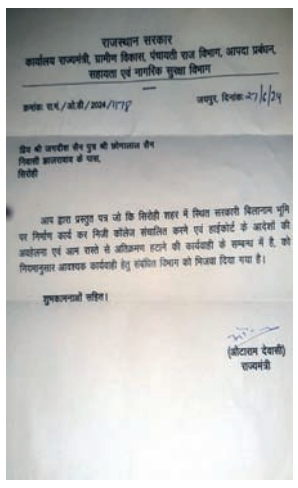

आप द्वारा प्रस्तुत पत्र जो कि सिरोही शहर में स्थित सरकारी बिलानाम भूमि पर निर्माण कार्य कर निजी कॉलेज संचालित करने एवं हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना एवं आम रास्ते से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के सम्बन्ध में है, को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही हेतु संबंधित विभाग को भिजवा दिया गया है।

शुभकामनाओं सहित।

(ओटाराम देवासी)
राज्यमंत्री

भूमि पर अतिक्रमण कर अवैध निर्माण कर बनाएं भवन में संचालित निजी एस पी कॉलेज एवं आम रास्तों की भूमि पर किये गये अतिक्रमण के संबंध में माननीय हाईकोर्ट से जारी आदेश की प्रति प्रेषित कर माननीय पंचायतीराज मंत्री श्री ओटाराम जी देवासी को भी उचित कार्यवाही करवाकर अतिक्रमण हटवाने एवं सरकारी बिलानाम भूमि पर निजी कॉलेज को मिली मान्यता की जांच को लेकर दस्तावेज प्रेषित किये गये थे इसके प्रत्युत्तर में माननीय पंचायतीराज मंत्री श्री ओटाराम जी देवासी द्वारा संम्बन्धित विभाग को कार्रवाई हेतु भेजे गये दस्तावेज के संबंध में जगदीश सैन को प्रतिलिपि भेजकर सूचना दी है! माननीय मंत्रीजी को धन्यवाद जगदीश सैन ने दिया

बाड़ी विद्यालय मे छात्रो को बांटी नि:शुल्क पुस्तके

द पुलिस पोस्ट

बिजयनगर ब्यावर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाड़ी में वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय में उपस्थित जन प्रतिनिधियों के द्वारा पौधारोपण किया गया एवं राज्य सरकार की निशुल्क पाठ्यपुस्तक योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को पुस्तके वितरित की गई इस कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रतिनिधि राधेश्याम व्यास एवं ओमप्रकाश पांड्या एवं गांव के गणमान्य समाजसेवी जनप्रतिनिधि लक्ष्मी नारायण चौधरी मुकेश कुमार शर्मा रामेश्वर माली , धमीर्चंद गुर्जर आदि कई सदश्य उपस्थिति रहे । प्रधानाचार्य प्रमिला रासलोत ने राज्य सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए महत्व पर बताए। कार्यक्रम के दौरान विजय सिंह रासलोत टीकम चंद कलवार कैलाश चंद टेलर ,गौरव शर्मा,ओमप्रकाश दिया मुकेश शर्मा ,श्रीमती सीमा बैरवा ,ममता देवन्दा,पुष्पा शर्मा आदि कार्मिक भी उपस्थित रहे।

बालाजी सेवा समिति ने ग्रीन रिको पहल के अन्तर्गत रिको गार्डन में 51 पेड़ लगाए

रिको के सभी गार्डनो मे पेड लगाकर हरित क्रांति लाएगे: बिदंल

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज। रिको औद्योगिक क्षेत्र केसरपुरा-शिवगंज में संचालित बालाजी सेवा समिति की ओर से बुधवार की शाम को कार्यक्रम के माध्यम ग्रीन रिक्को पहल के अंतर्गत पूरे दिल से रिक्को गार्डन में 51 पेड़ लगाए गए रोपित किए गए पेड़ो में फल देने वाले और छाया देने वाले विभिन्न प्रकार के पेड़ शामिल हैं।इस कार्यक्रम में समिति के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। समिति के अध्यक्ष हितेश बिंदल ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह के प्रयास न केवल हमारे पर्यावरण को हरा-भरा बनाएंगे बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर और स्वस्थ वातावरण प्रदान करेंगे।उन्होंने यह भी बताया कि यह पहल समाज में जागरूकता फैलाने और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण कदम है।बालाजी सेवा समिति भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। कार्यक्रम में अध्यक्ष हितेश बिंदल के अलावा सचिव जसवंत सिंह, कोषाध्यक्ष विकास अग्रवाल,महेंद्र बिंदल,अंकित गोयल,राकेश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल,मिलन देवड़ा,राहुल बिंदल,सौरव अग्रवाल,शुभम केडिया, शरद अग्रवाल,गौरव अग्रवाल,अंकित अग्रवाल,सुरेंद्र सिंह,कुश बिंदल, अरपेश अग्रवाल,सुरेश जांगिड़,दीपक अग्रवाल व गजेंद्र सिंह उपस्थित थे ईस अवसर पर राहुल बिदंल ने सभी रिको के उधमीओ को कहा की जल्दी ही केसरपुरा

रिको के सभी बगीचे व ओपन लैण्ड पडी जमीनो मे हरे पेड लगाकर हरित क्रान्ति लाएगे शिवगंज रिको को हरा भरा करेंगे जल्दी ही यह अभियान चलाया जाएगा रिको औद्योगिक क्षेत्र केसरपुरा शिवगंज की बालाजी सेवा समिति के सभी पदाधिकारीओ ने संकल्प लिया

राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक शाखा कोसेलाव में शाखा का व्यवसाय 100 करोड़ पार

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज कोसेलाव, राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक शाखा कोसैलाव में आज एक विशेष अवसर पर खुशी का माहौल था। बैंक में शाखा का व्यवसाय 100 करोड़ रुपए पार कर गया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में बैंक परिसर में केक काट कर जश्न मनाया गया। इस अवसर पर बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री आर के मीना ने सभी ग्राहकों का धन्यवाद किया और उनकी सहभागिता की सराहना की। उन्होंने बैंक की विभिन्न योजनाओं और ऋण योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी, जिससे अधिक से अधिक ग्राहक लाभान्वित हो सकें। कार्यक्रम में बैंक के सम्मानित ग्राहक श्री महावीर सिंह जोधा ,श्री कान सिंह राठौड़ श्री चुन्नी लाल चौहान ,श्री पोकर राम जी चौधरी ,श्री अमृत लाल जी चौधरी श्री रमेश चौधरी एवं अन्य विशेष रूप से उपस्थित थे। सभी ग्राहकों ने बैंक की सेवाओं की प्रशंसा की और इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर को प्राप्त करने पर बैंक को बधाई दी। इस अवसर पर शाखा के कर्मचारी शाखा प्रबंधक श्री अभिषेक मीना ,अधिकारी सुश्री कोमल जनवेजा, कार्यलय सहायक श्री शैलेन्द्र कुमार सैन एवं सुश्री राधा सिनसिनवार उत्साहपूर्वक शामिल हुए और उन्होंने शाखा की इस महत्वपूर्ण सफलता का जश्न मनाया। शाखा ने अपनी निरंतर मेहनत और ग्राहकों के विश्वास के बल पर यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है और भविष्य में भी अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने का संकल्प लिया है

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक उपेन्द्रसिंह राठौड़, अम्बर ऑफसेट प्रा।लि।डीएल टॉवर, 3ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित एवं भू-तल ऑरबिट मॉल, सिविल लाइंस, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित, 99280-96524, पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, अनिल मलिक (सहसंपादक) 8696750000, पंकज गर्ग (प्रबंध संपादक) 01482-455184, 9214417111